शास्त्रीयसंगीत

प्रारम्भिकवर्ग – प्रथमभाग

शास्त्र (Practical) मौखिक — पूर्णांक: 25

परिभाषा (केवलसंक्षेपमें): आरोह, अवरोह, स्वर (शुद्ध), स्वरमालिका, सप्तक।
बिलावलऔरभूपालीरागकाठाट, जाति, आरोह, अवरोह, वादीक्याहै?
दादरातालकीमात्राओंकीसंख्या, कितनीमात्राओंमेंसम, ताली-खालीकितनी?
हारमोनियमवाद्यकेप्रवर्तककौनहैं? सामान्यतःयहवाद्यकितनेसप्तकोंकाहोताहै?
सप्तककेअनुसारइसमेंकितनीरीड, कितनीचाबियाँ (Key) होतीहैं? एकएकल-
रीडयासामान्यहारमोनियममेंकितनेस्टॉपरहोतेहैं?

क्रियात्मक (Practical) — पूर्णांक: 25

हारमोनियमबजाकर "सरगम" और "आ" केसाथ 7 शुद्धस्वरोंकाअभ्यास।
त्रिमात्रिकछंदमेंधीरेसेक्रमशःद्रुतलयतकशुद्धस्वरआधारितअलंकारकाअभ्यास।
तालरहितदादरातालमेंबिलावलऔरभूपालीरागकीस्वरमालिकागानेकाअभ्यास।
ताली-खालीकेसहयोगसेदादरातालकाठेकाप्रदर्शन।
दादरातालमेंनिबद्धबिलावल/भूपालीरागआधारितएकहिन्दीबंदिश (तालरहित)।

प्रारंभिकवर्ष – द्वितीयभाग

शाखा (Practical) मौखिक

पूर्णांक : 25

1।परिभाषाएँ: ठाट, राग, जाति, स्वर (शुद्धवविकृत), कुलस्वरोंकीसंख्या। (केवलसंख्या)
2।इमनऔरखमाजरागकाठाट, जाति, आरोह, अवरोहऔरवादीक्याहै?
3।कहरवातालकीमात्राओंकीसंख्या, कितनीमात्राओंपरसम, कितनीताली-खाली?
4।सामान्यतःतानपुरेमेंकितनेकान (पेग), कितनेतारऔरतारकिस-किसस्वरमेंबाँधेजातेहैं?

क्रियात्मक (Practical)

पूर्णांक : 25

(स्वरसाधनाकेसभीपाठहारमोनियमबजाकरया 'सुर-पकड़' लेकर 'सरगम' और 'आ' मेंगानाहोगा।)
1। 7 शुद्धऔर 5 विकृतस्वरोंकीसाधना।
2।कल्याणऔरखमाजठाटआधारितस्वरयोगमेंआरोह-अवरोहक्रमसेस्वरसाधना।
3।त्रिमात्रिकऔरचतुष्मात्रिकछंदमेंधीरेसेक्रमशःतेजलयतकशुद्धऔरविकृतस्वरोंमेंअलंकारसाधना।
4।कहरवातालमेंइमनऔरखमाजरागकीस्वरमालिका — प्रत्येककी 2-2 बंदिश, 8
मात्राओंकेतालकेसाथगानेकाअभ्यास।
5।ताली-खालीकेसंयोगसेकहरवातालकोठेकाहाथसेतालीदेकरप्रस्तुतकरना।
6।इमनयाखमाजरागमेंकहरवातालपरआधारित 1 बंदिशबिनातानके, सरलहिंदीबंदिश।
7।पिछलेवर्षकेसंपूर्णशाखाऔरक्रियात्मकपाठ्यक्रमकीजानकारी।

शास्त्रीयसंगीत

प्रारंभिकवर्ष – तृतीयभाग

शास्त्र (Practical) मौखिक

पूर्णांक :२५

1।परिभाषा :ठाटकिसेकहतेहैंऔरकितने? ठाटोंकेनामक्या-क्याहैं? जातिकिसेकहतेहैंऔरकितनेप्रकार? जातियोंकेनामक्या-क्याहैं? लक्षगीत।कुलजातियोंकीसंख्याकितनी?

2।दुर्गा, भैरवऔरकाफ़ीरागोंकेठाट, जाति, विकृतस्वर, आरोह, अवरोहऔरवादीक्या?

3।त्रितालकीमात्रासंख्या, कितनीमात्राओंमेंसम-खण्ड, कितनीमात्राओंमें२राव३राताली, कितनीताली, कितनीखाली?

4।तबलायंत्रक्यावाद्यहै? बाँया-तबलासेक्यासमझतेहैं? तबला-बाँयाएकसाथनअलग-अलगकैसेबजतेहैं?

क्रियात्मक (Practical)

पूर्णांक :२५

(स्वरसाधनाकेसमस्तपाठोंकोहारमोनियममें 'सुर-पकड़' यातानपुरामें 'सरगम' और 'आ' मिलाकरगायाजाए।)

1।पूर्ववर्षकेसमस्तशास्त्रऔरक्रियात्मकपाठ्यक्रमकाज्ञान।

2। 'सुर-पकड़' यातानपुरामें७शुद्धऔर५विकृतस्वरोंकोक्रमअनुसारमध्यसप्तकके१२स्वरोंकाअभ्यास।

3।भैरवऔरकाफ़ीठाटकेस्वरसहयोगसेआरोह-अवरोहक्रममेंस्वरसाधना।

4।त्रिमात्रिक,
चतुरमात्रिकऔरपंचमात्रिकछंदमेंशुद्धऔरविकृतस्वरोंकेसाथधीमीसेक्रमशःद्रुतलयमेंअलंकारसाधना।

5।त्रितालमेंनिबद्धदुर्गा, भैरवऔरकाफ़ीरागोंकीस्वरमालिका —
१टी८मात्राऔर१टी१६मात्राकेतानसहितगानेकाअभ्यास।

6।ताली-खालीसहितदादरा, कहरवाऔरत्रितालकेठेकाहाथसेतालीदेकरप्रदर्शन।

7।दुर्गायाभैरवयाकाफ़ीरागमेंतानछोड़करएकत्रितालनिबद्धलक्षगीतगानेकाअभ्यास।

शास्त्रीयसंगीत :कंठएवंवाद्य

प्रथमवर्ष

समय :३घंटे

पूर्णांक :५०

१।परिभाषाएँ : संगीत, स्वर, ध्वनि, नाद, श्रुति, सप्तकअलंकार, ठाट, राग, वर्ग, वादी, संवादी, अनुवादी, विवादी, पकड़, जाति, आलाप, तान, लय, मात्रा, ताल, ताली, खालीऔरठेका।

२।जीवनी :विष्णुदिगंबरपालुस्करतथाविष्णुनारायणभातखंडे।

३।बिलावल, भूपाली, दुर्गा, भैरव,खमाजऔरईमनरागोंकापूर्णांगपरिचय।

४।ताल :दादरा, कहरवाऔरत्रिताल (ठायऔरदुगुनलयमें)।

व्यावहारिक :

पूर्णांक :५०

१।शुद्धऔरविकृतस्वरोंमेंअलंकारसाधना।

२।सरलतानसहितबिलावल, भूपाली, दुर्गा, भैरव,खमाजऔरईमनरागोंकाछोटाखयाल।

३।हाथसेताली-खालीदिखाकरठेकाउच्चारण (ठायऔरदुगुनलयमें)।

४।पकड़याआलापसुनकररागनिर्धारण।

५।परिवेशितसंगीतएवंपाठ्यांशसंबंधीप्रश्नप्रारंभिक।

शास्त्रीयसंगीत :कंठएवंवाद्य

द्वितीयवर्ष

समय :३घंटे पूर्णांक : ५०

१. परिभाषा :कंपन, स्पर्शस्वर, वक्रस्वर, मींड, ग्रह, अंश, न्यास, आधारराग, जन्यराग, शुद्ध, संकीर्ण, छायालग, पूर्वांग, उत्तरांग, समताविभिन्नतातथापूर्ववर्तीवर्षकेपाठ्यपरिभाषाएँ।
२. जीवनी :तानसेनएवंबैजूबावरा।
३. आल्हैयाबिलावल, काफ़ी, आसावरी, देश, बृंदावनीसारंग,
भीमपलासीएवंबेहागरागोंकापूर्णशास्त्रीयपरिचय।
४. ताल :झपताल, तेवड़ातथापूर्ववर्तीवर्षकेपाठ्यतालसमूह (ठायएवंदुगुनलयमें)।
५. स्वरदेखकररागनिर्धारण।
६. पूर्ववर्तीवर्षकाशास्त्रएवंव्यवहारिकपाठ्यक्रम।
व्यवहारिक :
पूर्णांक :५०
१. शुद्धएवंविकृतस्वरोंमेंकठिनअलंकारसाधना।
२. आल्हैयाबिलावल, काफ़ी, आसावरी, देश, बृंदावनीसारंग, भीमपलासीएवंबेहागरागमेंछोटाख़याल।
३. पूर्ववर्तीवर्षकेपाठ्यतालसहितहाथसेताली, खालीदिखातेहुएतथावर्तमानवर्षकेपाठ्यतालकाठेकाउच्चारण (ठायएवंदुगुनलय)।
४. पकड़याआलापसुनकररागनिर्धारण।
५. उपर्युक्तमेंसेकोईएकरागझपतालमेंनिबद्धगान।
६. परिवेशितसंगीतएवंपाठ्यशास्त्रसंबंधीप्रश्नप्रासंगिक।

शास्त्रीयसंगीत :कंठएवंवाद्य
तृतीयवर्ष
शाखा :समय – ३घंटा
पूर्णसंख्या :५०

१।परिभाषा :गायक, मूर्छना, गिटकिरी, आड़, स्थायी, अंतरा, संचारी, आभोग, मुखचालन, आस्थायिका, आबिर्भाव, तिरोभाव, अल्पत्व-बहुत्व, सर्वप्रकाश, चलनतथापूर्ववर्तीवर्षोंकेपाठ्यपरिभाषाएँ।
२।जीवनी :स्वामीहरिदासएवंअमीरखुसरो।
३।टोडी, जैतश्री, बिभास, पटदीप, बागेश्री, मालकोशएवंपूर्वीरागकापूर्वशास्त्रीयपरिचय।
४।ताल :एकताल, चौतालतथापूर्ववर्तीवर्षोंकेपाठ्यतालसमूह (ठेका, द्विगुणवतिगुणलय)।
५।स्वरदेखकररागनिर्धारण।
६।रचना :प्राचीनएवंआधुनिकमतमेंश्रुति-स्वरविभाजन।तारकीलंबाईकेअनुसारनादकीऊँच-नीचकाकारण।पंडितभातखंडेकीपद्धतिअनुसारवाद्यकेठाटकाउत्पत्ति।गायककेदोष-गुण।विभिन्नप्रकारकेतालोंकावर्णन।
७।भातखंडेजीकीस्वरलीपिपद्धतिकापूर्णज्ञान।
८।रागकातुलनात्मकचर्चा।
९।पूर्ववर्तीवर्षोंकेसमस्तशाखावव्यवहारिकपाठ्यक्रम।
व्यवहारिक :
पूर्णसंख्या :५०

१।टोडी, जैतश्री, बिभास, पटदीप, बागेश्री,
मालकोशएवंपूर्वीरागमेंद्रुतलयकीख्यालतथाकिसीदोरागमेंविलंबितलयकीख्याल।
२।उपर्युक्तरागोंमेंसेकिसीदोरागमेंद्विगुण, तिगुणवचौगुणलयमेंबंदिशसहितप्रस्तुति।

३।पूर्ववर्तीवर्षोंकेपाठ्यतालसहितहाथसेताली-खालीदिखाकरतथावर्तमानवर्षकेपाठ्यतालकाठेकाउच्चारण (ठेकावद्विगुणलय)।
४।पकड़याआलापसुनकररागनिर्धारण।
५।उपर्युक्तकिसीरागमेंएकद्रुततालकीबंदिश।
६।परिवेशितसंगीतवपाठ्यांशसंबंधीप्रश्नप्रासंगिक।

शास्त्रीयसंगीत :कंठएवंवाद्य

चतुर्थवर्ष

शाखा :समय – ३घंटा

पूर्णसंख्या :१००

१।परिभाषा :निबद्धगान, अनिबद्धगान, रागालाप, रूपकालाप, आलापगीत, रागलक्षण, लक्षणगीत, अष्टनायक, समाज, बिन्यास, गायकी, नायकी, शास्त्रीयसंगीत, मार्गसंगीत, देशीसंगीत, रागध्यान, गानकेचारप्रकारकेअवस्था, रागवठाटकीविशेषताएँवतुलनातथापूर्ववर्तीवर्षोंकीपाठ्यपरिभाषाएँ।
२।जीवनी :गोपालनायक, सदारंगएवंअब्दुलकरीमखाँ।
३।देशकार, रामकली, टोड़ी, मुलतान, हंसध्वनि, शंकरा, छायानटएवंजयजयवंतीरागकापूर्वपरिचय।
४।ताल :तिलवाड़ा, झूमरा, सुरफाकतालएवंपूर्ववर्तीवर्षोंकेपाठ्यतालसमूह (ठेका, द्विगुणवतिगुणलय)।
५।स्वरदेखकररागनिर्धारण।
६।रचना
:मानवजीवनमेंसंगीतकाप्रभाव।संगीतमेंतालवस्वरकास्थान।उच्चांगसंगीतकामाध्यम।संगीतवकल्पना।हिंदुस्तानीसंगीतमेंफारसीसंगीतकाप्रभाव।
७।विष्णुदिगंबरजीकीस्वरलीपिपद्धतिकापूर्णज्ञान।
८।तुलनात्मकचर्चा — रागवताल (पूर्ववर्तीववर्तमानपाठ्यक्रमअनुसार)।
९।दक्षिणभारतीयताललिपिकापूर्वपरिचय।
१०।पूर्ववर्तीवर्षोंकेसमस्तशाखावव्यवहारिकपाठ्यक्रम।
व्यवहारिक :
पूर्णसंख्या :१००
१।देशकार, रामकली, टोड़ी, मुलतान, हंसध्वनि, शंकरा,
छायानटएवंजयजयवंतीरागमेंद्रुतख्यालतथाकिसीदोरागमेंविलंबितख्याल।
२।उपर्युक्तरागोंमेंसेकिसीदोरागमेंद्विगुण, तिगुणवचौगुणलयमेंबंदिशसहितप्रस्तुति।
३।पूर्ववर्तीवर्षोंकेतालहाथसेताली-खालीदिखाकरतथावर्तमानवर्षकेतालकाठेकाउच्चारण।
४।पकड़याआलापसुनकररागनिर्धारण।
५।रागआधारितकोईएकभजन।
६।परिवेशितसंगीतवपाठ्यांशसंबंधीप्रश्न।

शास्त्रीयसंगीत :कंठएवंवाद्य

पंचमवर्ष

शाखा :समय – ३घंटा

पूर्णसंख्या :१००

१।परिभाषा :पूर्ववर्तीवर्षोंकीपाठ्यपरिभाषाएँ।
२।जीवनी :उस्तादफैयाजहुसैनखाँ।
३।ललित, गुर्जरीटोड़ी, पुरीया, केदार, कामोद, शुद्धसारंग, शुद्धकल्याण, बसंत,
रागेश्रीएवंमारवारागकापूर्वशास्त्रीयपरिचय।

४।ताल :आड़ाचौताल, धमार, झपतालतथापूर्ववर्तीवर्षोंकेताल (ठेका, द्विगुणवतिगुणलय)।
५।स्वरदेखकररागनिर्धारण।
६।रचना :हिंदुस्तानीसंगीतकीविभिन्नधाराओंकाइतिहास।गायकीकीविशेषताएँ।भारतीयसंगीतकाप्राचीन, मध्यवआधुनिकयुग।संगीतशिक्षालयमेंसंगीतशिक्षाकेदोषवगुण।संगीतमेंकलाकारकीस्वतंत्रता।
७।आकारमात्रिकस्वरलीपिकापूर्णज्ञान।
८।पूर्ववर्तीववर्तमानवर्षोंकेरागवतालकीतुलना (मिल-अमिलसहित)।
९।भातखंडेएवंविष्णुदिगंबरपद्धतिकीस्वरलीपिकातुलनात्मकअध्ययन।
१०।पूर्ववर्तीवर्षोंकेसमस्तशाखावव्यवहारिकपाठ्यक्रम।
व्यवहारिक :
पूर्णसंख्या :१००
१।ललित, गुर्जरीटोड़ी, पुरीया, मारवा, केदार, शुद्धकल्याण, कामोद, शुद्धसारंग, बसंतवरागेश्रीरागमेंद्रुतख्यालतथाकिसीतीनरागमेंविलंबितख्याल (एकझूमरातालमें)।
२।उपर्युक्तरागोंमेंसेकिसीतीनरागमेंबंदिशसहितध्रुपदतथाएकरागमेंबंदिशसहितधमार।
३।तालप्रदर्शन — ताली-खालीसहिततथाठेकाउच्चारण।
४।पकड़याआलापसुनकररागनिर्धारण।
५।दोध्रुपदमेंसेएकसुरफाकतालमें।
६।किसीएकरागकीठुमरी।
७।परिवेशितसंगीतवपाठ्यांशसंबंधीप्रश्न।

शास्त्रीयसंगीत :कंठववाद्य
षष्ठवर्ष
शाखा :समय – 3 घंटे
पूर्णसंख्या : 100
1।परिभाषा :पूर्ववर्तीवर्षोंकेपाठ्यपरिभाषा।
2।जीवनी :गोपेश्वरबंद्योपाध्याय, त्यागराजतथाबड़ेगुलामअलीख़ाँ।
3।योगिया, गुणकली, देशटोडी, मिश्रमल्हार, बहार, आडाना, गौड़सारंग, पुरिया-धनश्री, श्री, सोहनी, हिलोलतथामधुवंतीरागोंकापूर्णशास्त्रीयपरिचय।
4।ताल :
(क) ब्रह्मताल, फरोदस्त, कस्ततथापूर्ववर्तीवर्षोंकेपाठ्यताल।
(ख) आड़ा, दीपचंदीऔरझपताल (ठेका, दुगुनवतिगुनलयमें)।
5।स्वरदेखकररागनिर्धारण।
6।रचना :उत्तरवदक्षिणभारतीयरागऔरतालकीतुलना।प्राचीन, मध्यऔरआधुनिकमतमेंस्वरवश्रुतिस्थापना।तानपुरामेंसहायकनादकीउत्पत्ति।पाश्चात्यवहिंदुस्तानीसंगीतकेगायनववादनशैलीकाइतिहास।रागवरस।संगीतवसमाज।उत्तरवदक्षिणभारतीयठाटपद्धतिकीचर्चा।
7।पाश्चात्यस्वरलिपिकाज्ञान।
8।मिल-अमिलसहितपूर्ववर्तीववर्तमानवर्षोंकेरागवतालकीतुलना।
9।भारतीयस्वरलिपिकोपाश्चात्यस्वरलिपिमेंरूपांतरण।
व्यवहारिक :
पूर्णसंख्या : 100

1।योगिया, गुणकली, देशटोडी, **मिश्रमल्हार**, बहार, आडाना, गौड़सारंग, पुरिया-धनश्री, **श्री**, सोहनी, **हिलोलवमधुवंतीरागमेंद्रुतवविलंबितलयकाख़यालबंदिशसहित।**
2।**उपर्युक्तरागोंमेंसेकिसीचाररागमेंबंदिशसहितध्रुपदतथादोरागमेंबंदिशसहितधमार।**
3।**पूर्ववर्तीवर्षोंकेपाठ्यतालसहितआड़ा**, दीपचंदीवझपतालहाथसेताली-**खालीदिखाकरउच्चारण** (ठेकावदुगुनलयमें)।
4।**पकड़याआलापसुनकररागनिर्धारण।**
5।**तिलवाड़ातालमेंएकगीतअनिवार्यशिक्षणीय।**
6।ख़माजवकाफीरागमेंदोठुमरी।
7। 2 भजन।
8।**परिवेशितसंगीतवपाठ्यशास्त्रसंबंधीप्रश्नप्रासंगिक।**

शास्त्रीयसंगीत :कंठववाद्य

सप्तमवर्ष
शाखा :समय – 4 घंटे
पूर्णसंख्या : 100

1।परिभाषा :**पूर्ववर्तीवर्षोंकेपाठ्यपरिभाषा।**
2।जीवनी :कृष्णधनबंद्योपाध्याय, **बख्तुखाँ**, अमीरखाँ, मोजुद्दीनवविष्णुनारायण।
3।भाटियार, बिलासखानीटोडी, अहिरभैरव, नटभैरव, मेघमल्हार, सुरदासीमल्हार, दरबारीकानाड़ा, कौशिककानाड़ा, आड़ाना, **इमनकल्याण**, पुरियाकल्याण, श्यामकल्याण, **मारुबिहागवचंद्रकौंसरागोंकापूर्णशास्त्रीयपरिचय।**
4।ताल :
(क) लक्ष्मी, रूद्र, गणेश, **मत्ततालतथापूर्ववर्तीवर्षोंकेपाठ्यताल।**
(ख) पंचमसवारीवआड़ाठेका (**ठेकावदुगुनलयमें**)।
5।स्वरदेखकररागनिर्धारण।
6।रचना :नादकीविशेषता, **स्वरसमूहकीउत्पत्ति**, **वैदिकसंगीतमेंस्वरोंकास्थानवसंगीतकात्रिकाल**, रामायणवमहाभारतमेंसंगीत, **पुराणोंमेंसंगीत**, शास्त्रीयसंरक्षणमेंघरानोंकायोगदान, **मार्गसंगीतकेविभिन्नमार्गोंकाउदाहरणसहितव्याख्या।**
7।रागतत्व, हृदयकौतुक, **संगीतपरिजात**, स्वरमेलकलानिधि, नाट्यशास्त्र, संगीतदर्पण, रागतरंगिणीआदिग्रंथोंकाज्ञान।
8।मिल-**अमिलसहितपूर्ववर्तीववर्तमानवर्षोंकेरागवतालकीतुलना।**
9।**प्रथमसेषष्ठवर्षतकसभीशाखाओंकेपाठ्यक्रमकाज्ञान।**
व्यवहारिक :
पूर्णसंख्या : 100
1।भाटियार, बिलासखानीटोडी, अहिरभैरव, नटभैरव, मेघमल्हार, सुरदासीमल्हार, दरबारी, कानाड़ा, कौशिककानाड़ा, आड़ाना, **इमनकल्याण**, पुरियाकल्याण, श्यामकल्याण, **मारुबिहागवचंद्रकौंसरागमेंविलंबितवद्रुतलयकाख़याल।**
2।**उपर्युक्तकिसीभीरागमेंचारबंदिशसहितध्रुपद।**
3।**उपर्युक्तकिसीभीरागमेंदोबंदिशसहितधमार।**
4।उपर्युक्तकिसीभीरागमेंदोतराना।

5।पूर्ववर्तीवर्षोंकेपाठ्यतालसहिततताली-खालीदिखाकरतथावर्तमानवर्षकेपाठ्यतालकाठेकाउच्चारण (ठेकावदुगुनलयमें)।
6।पकड़याआलापसुनकररागनिर्धारण।
7।जैजैवंती, पीलूवतिलंगरागमेंतीनठुमरी।
8।रागाधारित 2 भजन।
9।तात्कालिकसुरवस्वरलिपिकरण।
10।परिवेशितसंगीतवपाठ्यशास्त्रसंबंधीप्रश्नप्रासंगिक।

नज़रुलगीति (कंठववाद्य)

षष्ठवर्ष

शाखा :समय – 3 घंटे

पूर्णांक : 100

1।परिभाषा :नज़रुलगीति, रवीन्द्रसंगीत, गीतिकार, कवि, छंदिकविभाजन, पदविभाजन, रागालाप, रूपकल्प, आलापगान, रागलक्षण, अनुप्रास, समासतथापूर्ववर्तीवर्षोंकासमस्तशास्त्रीयपाठ्यक्रम।
2।रचना :स्वदेशीआंदोलनकीपृष्ठभूमिमेंनज़रुलरचितगीतोंकायोगदान,
नज़रुलगीतिवरवीन्द्रसंगीतमेंदेशभक्तिभावकेविभिन्नप्रकाशोंकीतुलना, साम्यवादीवविद्रोहीनज़रुल,
नज़रुलगीतिमेंदक्षिणीरागकाप्रभाव, अप्रचलितरागकाप्रभाव,
नज़रुलगीतिऔररवीन्द्रसंगीतकेनामकरणकाअंतरयाभिन्नता।
3।जीवनी :सुधासरकार, धीरेंद्रचंद्रमित्र (जीवनीआधारितक्रमअनुसार)।
4।शास्त्रीयपरिचय :प्रथमसेपंचमवर्षतककेसभीराग–रागिनीवमिश्रमालहार, मेघ, आड़ाना, बहार, योगिया, रामकली (शास्त्रीयपरिचयक्रमअनुसार)।
5।तालपरिचय :पूर्वपरिचितसहितखे्मटा,
आड़ाखेमटातथापूर्ववर्तीवर्षोंकेपाठ्यतालोंकीठेकावविभिन्नलयमेंलिखन।
6।नज़रुलगीतिकीगायकीविशेषताकाविश्लेषणात्मकचर्चा; अतुलप्रसादकेगीतोंकीगायकीकीतुलनात्मकचर्चा; नज़रुलगीतिकेप्रचार–प्रसारमेंसुरकारकमलदासगुप्तएवंगायिकाफिरोज़ाबेगमकायोगदान।
7।विलंबित/द्रुतसहितवर्तमानवपूर्ववर्तीवर्षोंकीपरिभाषा, रागवतालकीतुलनात्मकचर्चा।
8।स्वरविन्यासमेंरागनिर्धारण (प्रथमसेषष्ठवर्षतककेपाठ्यरागोंमें)।
9।पाठ्यक्रमकेरागोंकीद्रुतख़याल, ध्रुपद, धमारकीस्वरलिपिलिखन (आकारात्मक/भातखंडेपद्धति)।
10।सहीअवस्थामेंस्वरछोड़करगीतकीबाणीकोविभाजनतथाप्रतीकचिह्नसहितगीतकीबाणीमुखस्थलिखन।

व्यवहारिक :

पूर्णांक – 100

1।निर्धारितरागोंमेंसेकिसीएकमेंशुद्धमात्रएकविशिष्टबंदिशसहितएकद्रुतख़यालतथाअन्यरागोंमेंआलाप, विस्तार, सरगमतान, आकारतान, बोलतानसहितहिंदी/बंगलाद्रुतख़यालतानपुरायासुर-पेटी/हारमोनियमकेसाथगानाआवश्यकहै — हिलोल, बसंत, तिलंग, परजिया, मारवा, कामोदवकेदार।
2।ख़माजरागमेंएकठुमरीबंदिश।
3।उपरोक्तकिसीभीरागमें 1 रागप्रधानबंगलागीत।
4।नज़रुलगीतितानपुरायासुर-पेटी/हारमोनियममेंअवश्यगानाहै।
5।हाथसेताली–खालीयोगसेवर्तमानवपूर्ववर्तीवर्षोंकेपाठ्यताल — 4 गीतोंकीबाणीकाप्रदर्शन।
6।परिवर्तितसंगीततथावर्तमान/पूर्ववर्तीवर्षोंकेपाठ्यताल — गीतोंकीबाणीकाप्रदर्शन।
7।निर्धारित 28 नज़रुलगीतिगीतोंकाअभ्यास :
(क) हिलोल, तिलंग, सावंतसारंग, मध्यमाधवीसारंग, कामोदवपरजियारागाधारित — कुल 6।

(ख) यत्वआड़ाठेकातालस्थित — कुल 2।
(ग) ख़माजठुमरीसमानांतरनज़रुलगीति — 1 तथाटप्पा/पिलूआधारितठुमरीअंग — 1।
(घ) नज़रुलरचितहिंदीगीतवउसकेसमानांतरबंगलागीत — कुल 2।
(ङ) पुरातनीछंदमेंसुरारितनज़रुलगीति — 1।
(च) दादरावचांचलकेदाररागाधारित — कुल 2।
(छ) मंजुभाषिणीवमणिमालाछंदकीनज़रुलगीति — कुल 2।
(ज) श्यालिपियालकेवनगीतिनाट्यकागीत — 1।
(झ) मूलगीतसहितप्रेमपर्यायकेगीत — 2, प्रेमसंगीत (विरहात्मक) — 1, प्रकृति (शरद) — 1, प्रकृति (बसंत) — 1, स्वदेश — 1, कविप्राण — 1, हास्यगीत — 1 तथामध्यमानतालस्थितगीत — 1।
8।हारमोनियममेंगीतबाँधनावतबलेकेसाथसंगतकरनेकाअभ्यास। "विद्रोही" कविताकाअंशविशेषआवृत्ति।

सुगमसंगीत

प्रारंभिकवर्ष – प्रथमभाग
शास्त्र (Practical) मौखिक
पूर्णांक : 25

परिभाषा:

1. आरोह, अवरोह, स्वर (शुद्ध), स्वरमालिका, सप्तक।

(केवलपरिभाषाएँ)

2. बिलावलऔरभूपालीरागकाठाट, जाति, आरोह, अवरोह, वादीक्याहै?
3. दादरातालकीमात्रासंख्या, कितनीमात्राओंकासम-खंड, कितनीताली-खाली?
4. हारमोनियमवाद्यकेप्रवर्तककौनहैं? सामान्यतःयहवाद्यकितनेसप्तककाहोताहै?
5. सप्तककीसंख्यानुसारइसवाद्यमेंकितनीरीडऔरकितनीचाबीहोतीहैं?
6. एकसाधारणहारमोनियममेंकितनेस्टॉपरहोतेहैं?

क्रियात्मक (Practical)
पूर्णांक : 25
हारमोनियमबजाकर 'सरगम' और 'आ' योगसेशुद्धस्वरसाधना।
त्रिलयिकछंदमेंधीरेसेक्रमशःद्रुतलयतकशुद्धस्वरआधारितअलंकारसाधना।
तानछोड़करदादरातालमेंबिलावलऔरभूपालीरागकीस्वरमालिकागानेकाअभ्यास।
ताली-खालीसहयोगसेदादरातालकाठेकाप्रदर्शन।
बिलावलयाभूपालीरागमेंदादरातालपरआधारितएकबांग्लागीत।
सुगमसंगीत

प्रारंभिकवर्ष – द्वितीयभाग
शास्त्र (Practical) मौखिक
पूर्णांक : 25
सुगमसंगीत
प्रारंभिकवर्ग – द्वितीयभाग
शास्त्र (Practical) मौखिक
पूर्णांक : 25

1।परिभाषा :ठाट, राग, जाति, स्वर (शुद्धएवंविकृत), कुलस्वरोंकीसंख्या। (केवलमात्रसंज्ञाएँ)

2।इमनएवंखमाजरागकेठाट, जाति, आरोह, अवरोहतथावादीक्याहैं?
3।कहारवातालकीमात्रासंख्या, कितनीमात्राओंकासम-खंड, कितनीताली-खाली?
4।साधारणतानपुरेमेंकितनेकान, कितनेतारतथातारोंकोकिन-किनस्वरोंमेंबाँधाजाताहै?
क्रियात्मक (Practical)
पूर्णांक : 25
(स्वरसाधनाकेसमस्तपाठहारमोनियमबजाकरया 'सुर-पकड़' लेकरअथवातानपुरेमें 'सरगम' एवं 'आ' योगसेगाएजाएँ।)
1।पूर्ववर्तीवर्षकेसमूचेशास्त्रएवंक्रियात्मकपाठ्यक्रमकीजानकारी।
2। 7 शुद्धएवं 5 विकृतस्वरोंकीसाधना।
3।कल्याणएवंखमाजठाटस्थितस्वरोंकेयोगसेआरोह-अवरोहक्रममेंस्वर-साधना।
4।त्रिमात्रिकएवंचतुर्मात्रिकछंदमेंधीमेसेक्रमशःद्रुतलयमेंशुद्धएवंविकृतस्वरवृत्तिकअलंकारसाधना।
5।तानरहितकहारवातालमेंइमनएवंखमाजरागमेंस्वरमालिकागानेकाअभ्यास।
6।ताली-खालीकेसहयोगसेकहारवातालकाठेकाहाथसेतालीदेकरप्रदर्शन।
7।इमनयाखमाजरागाधारितकहारवातालमेंनिबद्धएकरागाश्रयीबंगलागीत।

सुगमसंगीत
प्रारंभिकवर्ग – तृतीयभाग
शास्त्र (Practical) मौखिक
पूर्णांक : 25
1.परिभाषा :ठाटकिसेकहतेहैं? कुलठाटोंकीसंख्याकितनीहै? ठाटोंकेनामक्या-क्याहैं? जातिकिसेकहतेहैं? जातिकितनेप्रकारकीहोतीहै? उनकेनामक्या-क्याहैं? कुलजातियोंकीसंख्याकितनीहै?
2. दुर्गा, भैरवएवंकाफीरागोंकेठाट, जाति, आरोह, अवरोहएवंवादीक्याहैं?
3. त्रितालकीमात्रासंख्याकितनीहै? कितनीमात्राओंमेंसमपड़ताहै? कितनीमात्राओंमें२रीएवं३रीतालीपड़तीहै? कितनीतालियाँ-खालीहैं?
4. तबलाक्यावाद्यहै? बाँया-तबलासेक्यासमझतेहैं? तबला-बाँयाएकसाथनबजाकरअलग-अलगबजतेहैं?
क्रियात्मक (Practical)
पूर्णांक : 25
(स्वरसाधनाकेसभीपाठहारमोनियमबजाकरया 'सुर-पकड़' लेकरअथवातानपुरेपर 'सरगम' एवं 'आ' जोड़करगाएजाएँ।)
1. Previous वर्षोंकेसमस्तशास्त्रएवंक्रियात्मकपाठ्यक्रमकीजानकारी।
2. ७शुद्धएवं५विकृतस्वरोंतथाक्रमअनुसारमध्यसप्तकके१२स्वरोंकीसाधना।
3. भैरवएवंकाफीठाटाधारितस्वरयोगेआरोह-अवरोहक्रममेंस्वर-साधना।
4. त्रितालिक,
चतुर्तालिकएवंपंचतालिकछंदमेंधीरेसेक्रमशःद्रुतलयमेंशुद्धएवंविकृतस्वरयुक्तअलंकारोंकीसाधना।
5. त्रितालमेंनिबद्धदुर्गा, भैरवएवंकाफीरागोंकीस्वरमालिका१ (८मात्रा) एवं१ (१६मात्रा) तालसहितगानेकाअभ्यास।
6. ताली-खालीसहितदादरा, कहरवाएवंत्रितालकेठेकाहाथसेतालीदेकरप्रदर्शन।

7.
एकदेशभक्तिपरकअनुच्छेदकागानएवंत्रितालमेंनिबद्धदुर्गायाभैरवयाकाफीरागमेंएकबंगलाप्रार्थनाकावाद्ययंत्र बिनागानेकाअभ्यास।

सुगमसंगीत
(कंठएवंवाद्य)
प्रथमवर्ष
समय :३घंटे
पूर्णांक :५०

१. परिभाषाएँ :
सुगमसंगीत, परिभाषा, संज्ञा, छोटायाद्रुतख़याल, शास्त्रीयपरिचय, स्वरलीपि, स्वरमालिका, लक्षणगीत, गीत, भारतीयसंगीतकीमुख्यपद्धति, स्वर, राग, ठाट, आरोह, अवरोह, जाति, पकड़, वादी, संवादी, गायनसमय, शास्त्रीयपरिचयआधारितविशेषताएँ (उपर्युक्तविषयोंसहित), रागप्रधानबांग्लागीत, देशभक्तिपरकराष्ट्रीयसंगीत, छड़ा-गान, लय, मात्रा, तालएवंतर्जन।

२. रचना :
भारतीयीकृतस्वरलीपिपद्धतिकेउद्भावककानामसहितपूर्णपरिचय।

३. जीवनी :
रवीन्द्रनाथठाकुर, अतुलप्रसादसेन, मीराबाई (जन्म, माता-पिता, प्रारम्भिकशिक्षा, कर्मजीवन, विवाह, संगीतशिक्षा, कार्यक्षेत्र, विशेषसम्मान, संस्थास्थापना, मृत्यु)।

४. शास्त्रीयपरिचय :
(राग, ठाट, आरोह, अवरोह, जाति, पकड़, वादी, संवादी, समय, विशेषताएँ — क्रमउल्लिखितसहितनिम्नलिखितरागोंका)
बिलावल, भूपाली, दुर्गाएवंयमन।

५. ताल :
त्रिताल, कहारवाएवंदादरा (पूर्णपरिचयसहितठेकाएवंविभाजनसहित)।

६. पाठ्यक्रमानुसाररागाधारितद्रुतहिन्दीयाबांग्लाख़यालकीस्वरलीपिलिखना (भारतीयपद्धतिअनुसार)।

७. व्याख्यासहितपाठ्यक्रमानुसारगानकीमुख्यलयोंकाअभ्यास।

व्यवहारिक
पूर्णांक :५०

१. एकठाटएवंएकविकृतस्वर – सुर-पकड़/मध्यलयमेंगानेकाअभ्यास।

२. सरगमतानएवंआकारतानसहितबिलावल, भूपाली, दुर्गाएवंयमनरागकाबांग्लायाहिन्दीद्रुतख़यालसुर-पकड़/मध्यलयमेंगानेकाप्रयास (वाद्यपरगानाअनुमत)।

३. निम्नलिखितगीतोंकोसुर-पकड़/मध्यलयमेंगानेकाप्रयास (वाद्यपरगानाअनुमत) :
(क) उपर्युक्तरागोंमेंसेकिसीदोरागोंमेंरागप्रधानबांग्लागीत – २ (आलापसहित, विस्तारआवश्यकनहीं)।
(ख) छड़ा-गान – २, अतुलप्रसादकेगीत – २, नज़रुलगीति – १, रवीन्द्रसंगीत – १, मीराबाईकाभजन – १, देशभक्तिपरकगीत – १।
(ग) राष्ट्रीयसंगीत – अनिवार्य।
(घ) ताली-खालीसहितहाथसेतालीदेकरपाठ्यक्रमानुसारतालप्रदर्शन।
(ङ) परिवेशितसंगीतएवंपाठ्यशास्त्रसंबंधीप्रश्न-उत्तर।

सुगमसंगीत
(कंठववाद्य)
तृतीयवर्ष
समय :३घंटे **पूर्णांक : ५०**

१. परिचय :
शास्त्रीयसंगीत, मार्गसंगीत, सपाटतान, देशीसंगीत, भावसंगीत, कव्वाली, ठुमरी, टप्पा, दादरा, लघुसंगीत, जन्यराग, जनक/ठाटआधारितराग, संकीर्णराग, छायानट, आश्रयराग, संप्रकाशराग, परावलंबी/प्रवेशकरागतथापूर्ववर्तीवर्षसमूहकेपाठ्यक्रम।

२. वाद्ययंत्र :
दोतारा, श्रीखोल, आनंदलहरी, मादल।

३. गीतोंकेप्रकार :
भाटियाली, झूमरिगान, ग़ज़ल, कजरी, आधुनिकगीत।

४. बिल-अविलतथाआकारात्मक — भारतवर्षीयपद्धतिकीस्वरलीपीकीतुलना।

५. रचना :
सुगमसंगीतमेंतालवसुरकामहत्व, सुगमसंगीतमेंउच्चांगसंगीतकाप्रभाव, चर्चावप्रयोग।

६. जीवनी :
नानक, द्विजेन्द्रलालरायवरामप्रसादसेन (जीवनीविषयकप्रश्नानुसार)।

७. शास्त्रीयपरिचय :
आशावरी, पूर्वी, ठोरीवमारवा। (शास्त्रीयपरिचयविषयकप्रश्नानुसार)
तथापूर्ववर्तीवर्षसमूहकेरागोंकाशास्त्रीयपरिचय।

८. तालपरिचय :
एकताल (हस्तचालनसहित), अड़ावपूर्ववर्तीवर्षसमूहकेपाठ्यतालगण। (पूर्णपरिचयसहितठेकावविभागनाम)

९. स्वरलीपीलेखन :
आकारात्मकयाभारतवर्षीयपद्धतिअनुसारपाठ्यक्रमकेरागोंकीशुद्धबंगलायाहिन्दीख्यालकीस्वरलीपीलेखन।

१०. शुद्धवाणीकेसहयोगसेस्वरसुनकरगीतछांटकरविभाजितकरें।

११. ख़यालकीपरिचितिसहितगानकीवाणीमुखस्थलेखन।

१२. स्वरसुनकररागनिर्धारण (प्रथमसेतृतीयवर्षकेरागतत्विक)।

व्यवहारिक : **पूर्णांक : ५०**

१.शुद्धवविकृतस्वरोंमेंकठिनअलंकारसाधन। (तानपुरायासुर — पंचम/मध्यमयोगेत्रि, चतुर्थवपंचमात्रिकचले)

२.सरगम, आकारवबोलतानयोगेतानपुरायासुर — पंचम/मध्यममेंआशावरी, पूर्वी, ठोरीवमारवारागमेंबंगलायाहिन्दीख्यालगानेकाअभ्यास। (१टीबंगलाख्यालअनिवार्य)

३. निम्न१७गीत :(तानपुरायासुर — पंचम/मध्यममेंगानाबाध्यतामूलकवअन्यथाबाजेमेंगानाअनुमोदित)क) उपर्युक्तरागोंमें१-१करकेरागप्रधानबंगलागीत — कुल४।

ख) उपर्युक्ततालोंमें१-१करकेकुल२गीत (अतुल, रजनी, द्विजेन्द्र, नजरुलगीत, भजन — कोईभीगीत)।ग) नजरुलगीत — २, आधुनिक — २, नाटककाभजन — १, अतुलप्रसादी — १, रजनीकांतकागीत — १, द्विजेन्द्रगीत — १, भजन — १, भाटियाली — १, रामप्रसादी — १।

४.स्वरसुनकररागनिर्धारण (प्रथमसेतृतीयवर्षकेरागतत्विक)।

५.हाथसेताली-खालीयोगेवर्तमानवपूर्ववर्तीवर्षसमूहकेतालवगानकीवाणीप्रदर्शन।

६.परिनिष्ठितसंगीतववर्तमानतथापूर्ववर्तीवर्षसमूहकेपाठ्यांशसंबंधीप्रश्नोत्तरी।

सुगमसंगीत
(कंठएवंवाद्य)
चतुर्थवर्ष
शास्त्र :समय – ३घंटे पूर्णांक : १००

१. परिभाषा :पूर्वरंग, उत्तररंग, आविर्भाव, तिरोभाव, समता, विभाजन, गणसंगीत, जनसंगीत, बृंदगान, भटियाली, तान, लघुसंगीत, कलावंत, वाग्गेयकार, निबद्धगान, अनिबद्धगान, अल्प, बहु, रागालाप, रूपकालाप, आलिंगन, रागलक्षण, अर्पणन्यास, समाप्ति, विन्यासतथापूर्ववर्तीवर्षोंकेशास्त्रीयपाठ्यक्रम।
२. वाद्य :पखावज, सारंगी, सनई।
३. गीतकेप्रकार :ध्रुपद, धमार, खयाल, ठुमरी, रागप्रधानआधुनिक, भटियाली।
४. गायककेदोष-गुणसंबंधीचर्चा।
५. रचना :आधुनिकसंगीतकाक्रमविकास, संगीतप्रचारमेंरेडियोवदूरदर्शनकीभूमिका, संगीतसम्मिलनीकीआवश्यकता, संगीतसंरक्षणकेदोषवगुण।
६. जीवनी :ब्रजनाथ, दशरथीराय, साधककमलकांत। (जीवनीविषयकक्रमानुसार)
७. शास्त्रीयपरिचय :प्रथमसेतृतीयवर्षतकसभीराग-रागिनीएवंबेहाग, इमनकल्याण, बागेश्री, मालकौंस। (शास्त्रीयपरिचयविषयकक्रमानुसार)
८. तालपरिचय :चौताल, झपताल, धमारतथापूर्ववर्तीवर्षोंकेपाठ्यताल (पूर्णपरिचयसहितठेकावदिगुनलय)।
९. मिल-अमिलसहितवर्तमानएवंपूर्ववर्तीवर्षोंकीपरिभाषा, रागवतालकातुलनात्मकचर्चा।
१०. स्वरलिपिलेखन :आकस्मिकयाभावानुसारस्वरलिपिपद्धतिअनुसारपाठ्यसूचीरागोंकीबंगलायाहिंदीद्रुतखयालकीस्वरलिपिलिखना।
११. वाणीकीसहीअवस्थामेंस्वर-छंदविभाजनकरना।यतिचिह्नसहितगानसुशुद्धलिखना।
१२. स्वरदेखकररागनिर्धारण। (प्रथमसेचतुर्थवर्षकेरागतत्त्व)

व्यवहारिक :कुलगीत२३ (शास्त्रीयमार्गवलघुसंगीत) पूर्णांक : १००

१. आलाप, सहजविस्तार, सरगम, आकार (बोलतानसहित) निर्दिष्टरागोंकीबंगलायाहिंदीद्रुतखयालतानपुरायासुर-पखावज/मध्य-लयगायनअभ्यास।निर्दिष्टरागोंमेंसेकिसीएकरागमेंएकबंगलाखयालगानाआवश्यक।बेहाग, इमनकल्याण, बागेश्रीवमालकौंस।
२. उपरोक्तरागोंमेंसेकिसी२रागमें१-१रागप्रधानबंगलागीत, १ब्रजनाथकेभजन, अतुलप्रसादी – १, रागाश्रयीआधुनिक – १, नजरुलगीति – १, काजरी – १, पुरातनी – १, नजरुलगीति – ३ (१इस्लामीगीतआवश्यक), आधुनिक – ३ (१प्रकृतिविषयकगीतआवश्यक), कमलकांतकेगीत – १, भटियाली – १।
३. अध्यायनिबद्धगीत – १ (पाठ्यक्रमविषयक)।
४. किसीभीरागमें१ध्रुपद (सरकारीछोड़कर)।
५. स्वरसुनकररागनिर्धारण (प्रथमसेचतुर्थवर्षतकरागोंका)।
६. हाथसेतालशुद्धिसहितवर्तमानएवंपूर्ववर्तीवर्षोंकेपाठ्यतालवगीतकीवाणीप्रदर्शन।
७. परिवेशितसंगीतएवंवर्तमानतथापूर्ववर्तीपाठ्यांशसंक्षिप्तप्रश्नप्रासंगिक।

सुगमसंगीत

(कंठएवंवाद्य)
पंचमवर्ष
शास्त्र :समय – ३घंटे पूर्णांक : १००
१।**परिभाषा**:निम्नलिखितसहितपूर्ववर्तीवर्षोंकेपाठकापारिभाषिकतुलना।
२।निम्नलिखितसहितवर्तमानएवंपूर्ववर्तीवर्षोंकेरागतथाकातुलनात्मकविवेचन।
३।प्रथमसेचतुर्थवर्षतककेसमस्तवाद्ययंत्रोंकावर्णनात्मकविवेचन।
४।गीतोंकेप्रकार :टप्पा, ठुमरी, आधुनिक, पुरातनी, बांग्लाख्याल, भटियाली, बांग्लाभजन, सांत्वनीभजन, काहिनीसंगीत, कर्मसंगीत, समूहगान, ब्रज, मार्चसंगीत,
देशभक्तिगीततथापूर्ववर्तीवर्षोंकेविभिन्नगीतोंकेप्रकारकातुलनात्मकविवेचन।
५।स्वरएवंवाणीकेसहीप्रयोगसेप्रस्तुतकविताकोसुरएवंतालबद्धकरना।
६।रचना :स्वरलीपिआधारितसंगीतशिक्षाकेदोषएवंगुण, सुगमसंगीतमेंलोकसंगीतएवंपाश्चात्यसंगीतकाप्रभाव, संगीतशिक्षाकीपरीक्षाव्यवस्था, मानवजीवनमेंसंगीतकीआवश्यकता।
७।जीवनी :निशिकांत, सुरदास, चंडीदास (जीवनीक्रमअनुसार)।
८।शास्त्रीयपरिचय :प्रथमसेचतुर्थवर्षतकसमस्तरागरागिनीएवंपूर्वी, केदार, कामोदएवंरागेश्री (शास्त्रीयपरिचयक्रमअनुसार)।
९।तालपरिचय :लोक, नाट्य, आड़ाचौतालएवंपूर्ववर्तीवर्षोंकेपाठ्यतालवली।
(पूर्वपरिचयसहितठेका, द्विगुणएवंएकवर्तनमेंठेकाएवंद्विगुणलय)।
१०।आकरात्मकयाजातिपद्धतिकीस्वरलीपिअनुसारव्यवहारिकपाठ्यक्रमकेशास्त्रीयएवंमार्चसंगीतकीस्वरलीपिलिखना।
११।स्वरसेरागनिर्धारण। (प्रथमसेपंचमवर्षकेरागआधारित)।
१२।वाणीकेसहीप्रयोगसेस्वररचनागीतस्वरभागकरनाएवंसहीप्रतीकसहितगीतप्रस्तुतकरना।
व्यवहारिक : पूर्णांक : १००
१।शास्त्रीयएवंमार्चसंगीतकेगीततानपुरायासुर-
पंचम/मध्यमेंगायाव्यवहारिकतथालघुसंगीतविभागमेंगीतकोतानपुरायासुर-पंचम/मध्यमेंगानेकाअभ्यास।
२।पूर्वी, केदार, कामोदएवंरागेश्रीरागकेकिसीएकमें१बांग्लाध्रुपद/ख्याल/आधुनिक,
शेषतीनमेंबांग्लायाहिंदीध्रुपद/ख्यालआलाप, विस्तार, सरगम,
आकारएवंबोलतानसहितगानेकाअभ्यासतथाप्रथमसेपंचमवर्षकेमध्यकिसीएकरागमें१प्रबंधद्विगुणलयकारीसहितगानेकाअभ्यास।
३।उपर्युक्तरागोंमेंसेकिसीदोमेंदोरागप्रधानबांग्लागीत।
४।निम्नलिखित१०लघु/उपशास्त्रीयसंगीतसे :सुरदासकेभजन–१, निशिकांतकेगीत–१, बांग्लाटप्पा–१, आधुनिक–४ (पाश्चात्य, लोकसुर, रागाश्रित, काव्यगीति), हिमांशुदत्तकेगीत–१, अतुलप्रसादी–१, काजीगीति–१, द्विजेन्द्रगीति–१, नजरुलगीति–४ (गजल, इस्लामी, स्वदेशी, प्रेम), कीर्तन–१ (छोटेलयतालमें), काहिनीसंगीत–१, कर्मसंगीत–१, देशभक्तिगीत–१, नाट्यगीत–१।
५।स्वरसेरागनिर्धारण। (प्रथमसेपंचमवर्षकेरागआधारित)।
६।हाथकीताली-खालीकेसाथवर्तमानएवंपूर्ववर्तीवर्षोंकेपाठ्यतालएवंगीतकीवाणीप्रस्तुतकरना।
७।परिवेशितसंगीतएवंवर्तमानतथापूर्ववर्तीपाठ्यांशसंबंधीप्रश्नोत्तर।

सुगमसंगीत
(कंठवयंत्र)
सप्तमवर्ष

समय :४घंटे **पूर्णांक : १००**

१.प्रथमसेषष्ठवर्षतककीसमस्तपरिभाषाएँ, राग, तालएवंगीतोंकेप्रकारोंकालक्षणसहितचर्चा।
२.प्रथमसेचतुर्थवर्षतककेसमस्तवाद्योंकावर्णनात्मकचर्चा।
३.स्वरएवंवाणीकेसहीउच्चारणमेंप्रदत्तकविताकोसुरएवंतालबद्धकरना।
४.आकारात्मकयाभावात्मकस्वर-लिपिपद्धतिकेअनुसारशास्त्रीय, मार्गएवंलघुसंगीतमेंस्वर-लिपिलिखना।
५.स्वरदेखकररागनिर्धारण (प्रथमसेसप्तमवर्षकेरागतत्त्व)।
६.सहीउच्चारणमेंस्वरछेड़करगानेकीवाणीलेतेहुएभावएवंसहीगति-चिह्नसहितगानकोस्पष्टलिखना।
७.रचना :रागप्रधान, बांग्लाख्यालएवंरागप्रधानआधुनिककापार्थक्यविश्लेषण,
संगीतप्रतियोगिताकीआवश्यकता, संगीतविद्यालयमेंसंगीतशिक्षाकेदोषएवंगुण,
संगीतप्रचारमेंचलचित्रोंकीभूमिका, आधुनिकगीतोंकासकाल-एकालएवंकार्यविचार,
संगीतप्रचारकेसहयोगीवाद्योंकेदोष-गुण।
८.जीवनी :पंडितविष्णुदिगंबरपालुस्कर, यदुभट्ट, रवीन्द्रनाथठाकुर। (जीवनीगतक्रमअनुसार)
९.शास्त्रीयपरिचय :प्रथमसेषष्ठवर्षतककेसमस्तराग-रागिनियाँएवंबाहार, मियाँ-की-मल्हार, दरबारीकानाड़ा, आड़ाना, ललित, शुद्धकल्याण। (श्रेणीपरिचयआधारित)
१०.तालपरिचय :रूपक, मध्यलय, आड़ा-ठेकाएवंपूर्ववर्तीवर्षसमूहोंकीपाठ्यतालें। (पूर्वपरिचयसहितठेका, विभागएवंएकआवर्तनठेकामुखसेबोलना)

व्यवहारिक : **पूर्णांक : १००**

१.शास्त्रीय, मार्गएवंलघुसंगीतकागायनतानपुरायासुर-पंचम/मध्ययोगमेंगानाअनिवार्य।
२.बहार, मियाँ-की-मल्हार, दरबारीकानाड़ा, आड़ाना,
ललितएवंशुद्धकल्याणरागमेंबांग्लायाहिंदीद्रुतख्याल।उपरोक्तरागोंमें३चित्ते१बांग्लाद्रुतख्याल,
द्विगुणलयकारीसहित१ध्रुपद,
१भजनएवंप्रथमसेसप्तमवर्षकेरागोंमेंसेकिसीएकमें१ठुमरीबंदिशएवं१विलंबितख्यालकीबंदिश।
३.उपरोक्तरागोंमेंसेकिसीदोमेंरागप्रधानगान – २, भजन – ५ (मीरा, कबीर, नानक, तुलसीदासएवंसूरदास), नजरुलगीति – ५ (कीर्तन, काव्यगीति, लोकगीति, इस्लामी, श्यामासंगीत), अतुलप्रसादी, कांतगीति, द्विजेन्द्रगीति१-१करकेकुल – ३, हिंदीगीत – १, उर्दूगजल – १, रूपकतालबद्धगान – १, आधुनिक – ५ (भावगीति, काव्यगीति, पावसगीत, छड़ागानएवंसमवेत)।
४.स्वरसुनकररागनिर्धारण (प्रथमसेसप्तमवर्षकेरागतत्त्व)।
५.हाथसेताली-खालीदेकरवर्तमानएवंपूर्ववर्तीवर्षोंकीपाठ्यतालेंएवंगीतोंकीवाणीकाप्रदर्शन।
६.परिवर्धितसंगीतएवंवर्तमानएवंपूर्ववर्तीपाठ्यशास्त्रसंबंधीप्रश्नप्रासंगिक।

शिक्षकशिक्षण(B.Mus-Ed) परीक्षाकीशर्तें

1।परीक्षार्थीकिलिएन्यूनतमशैक्षणिकयोग्यतास्नातकहोनाअनिवार्यहै।
2।परीक्षार्थीकिलिएन्यूनतम 5 वर्षोंकाचारुकलाशिक्षणअनुभवहोनाआवश्यकहै।
3।शास्त्रीयसंगीत, रवीन्द्रसंगीत, नजरुलगीत,
सुगमसंगीतएवंलोकगीतकेप्रथमसेसप्तमवर्षतककेशास्त्रएवंव्यवहारिकपाठ्यक्रमकाज्ञान।
4।प्राथमिकस्तरपरतालवाद्य, अंकार, आवृत्तितथाविभिन्नप्रकारकेनृत्योंकाप्राथमिकज्ञान।
5।पेशागतचारुकलाशिक्षकोंद्वाराछात्र-छात्राओंकोउपयुक्तरूपसेतैयारकरनेकीक्षमताआगामीदिनोंकीकृति, संस्कृतिएवंचारुकलाकेविकासमेंसहायकहोगी।
6।चारुकलाएवंनृत्यतत्त्वकाप्राथमिकज्ञानआवश्यकहै।

7।हस्तलिपिसुगमपठनीयहोनाअनिवार्यहै।व्यक्तित्वअत्यंतप्रासंगिक।
8।परीक्षाग्रहण, प्रश्नपत्ररचनाएवंपाठ्यक्रमनिर्माणकाज्ञान।
9। Demonstration / Performance संबंधीसभीज्ञानआवश्यक।
10।नृत्यनाट्यएवंगीतिनाट्यसंचालन, संयोजनएवंनिर्देशनकाज्ञानआवश्यक।
11।विद्यालयसंचालन, संगठनात्मकज्ञान, प्रचारएवंप्रसारविषयकज्ञानतथाआर्थिकहिसाब-रखरखावकाज्ञानअत्यंतआवश्यक।
12।रवीन्द्रनाथ, रवीन्द्रएवंरवीन्द्रोत्तरयुगकेसंगीत, अंकार, तालएवंनृत्यरूपसंबंधीज्ञानतथासूरकार, गीतिकार, गीतिकार-सुरकारएवंगीतिकार-कविसंबंधीज्ञान।
13।उत्तममानकाचलचित्रएवंउसकाअभिनयतथासंगीतसंबंधीज्ञान।
14।संगीतएवंवाद्यसंचालनकाज्ञान।पाश्चात्यसंगीतकेसंबंधमेंज्ञान।
15।बांग्ला, भारततथाविदेशीलोकसंगीतकाज्ञान।
16।उपशास्त्रीयसंगीत/नृत्यएवंवादनकेसंबंधमेंज्ञान।
17।व्यक्तिगततथ्यात्मकविवरणलेखनकाज्ञान।
18।शास्त्रीय, मार्ग, उपशास्त्रीय, रवीन्द्रसंगीत, बांग्लागीत, लोकगीत, भजन, भक्तिमूलकआदिविभिन्नप्रकारकेसंगीतप्रस्तुतकरनेकीक्षमता।
19।नृत्य, अंकन, आवृत्तिएवंअभिनयकरनेतथातालवाद्यबजानेकान्यूनतमप्राथमिकज्ञान।
20।विद्यालयसेसंबंधितसभीकेसाथमधुरसंबंधएवंव्यवहारबनाएरखना।
21।साहित्यएवंकाव्यसंबंधीज्ञान।
22।फोटो, शैक्षिकयोग्यताकाप्रमाणपत्रतथाआयुकाप्रमाणपत्रअनिवार्यरूपसेआवश्यक।
23।परिवेशितकलासंबंधीप्रश्नप्रासंगिक।

B.Mus- Ed (शिक्षक-शिक्षण)
पूर्णसंख्या :५०

शास्त्र :
1।संगीतविद्यालयकेसंगठनात्मकज्ञान।
2।परीक्षाग्रहणकाज्ञान।
3।प्रश्नपत्ररचनाकाज्ञान।
4।संगीतप्रतियोगिताएवंसंगीतसम्मेलनकीआवश्यकतासंबंधीज्ञान।
5।प्रचारएवंप्रसारविषयकज्ञान।
6।संगीतविद्यालयकेहिसाब-रखावविषयकज्ञान।
7।समसामयिकसंगीतजगतकाज्ञान।
8।विद्यालयमेंसंगीतशिक्षककेगुणएवंदोष।
9।बंगालकेगीतिकारएवंउनकेअवदानसंबंधीज्ञान।
10।भारतीयसंगीतकेआदि, मध्यएवंआधुनिकयुगकाइतिहास।
11।व्यवहारिकपाठ्यक्रमकेरागसमूहकाशास्त्रीयपरिचय।
12।दादरा, कहारवा, त्रिताल, एकताल, झपताल, सुरफाकताल, चौताल, धमार, झूमरा, नवताल, एकादशीतालएवंरूपकड़ातालकाज्ञान।
व्यवहारिक : (पूर्णांक : १००)

1।बिलावल, इमन, टोड़ी, तिलंग, खमाजएवंकाफीरागमेंविविधप्रकारगीतगाने/बजानेकाअभ्यास।
2।जौनपुरी, भीमपलासी, बिहाग, भूपाली, मालकोशएवंबागेश्रीरागमें६ख्यालअथवागीत।
3।प्रेम, पूजा, प्रकृति, स्वदेश, अनुष्ठानएवंविविधइन६पर्यायकेरवीन्द्रसंगीतगाने/बजानेकाअभ्यास।
4।अतुलप्रसाद, नजरुल, रजनीकांत, रामप्रसाद,
कमलकांतएवंरमणीरचित६बंगलागीतगाने/बजानेकाअभ्यास।
5।बाउल, भाटियाली, भावाइया, टप्पा, धामाइलएवंमुर्शिदीपर्यायके६लोकगीतगाने/सुरबजानेकाअभ्यास।
6।मीराबाई, तुलसीदास, सूरदास, कबीर, विद्यापतिएवंचंडीदासरचित६भजनएवंकीर्तन।
7।एकठुमरीअथवाधुनगाने/बजानेकाअभ्यास।
8।किसीभीरागमेंतीनप्रकारधमारगाने/बजानेकाअभ्यास।

शिक्षक-शिक्षण(B. Mus –Ed)
विषय – नृत्य

पूर्णसंख्या – 100

1. विद्यालयकासंचालनकरनेकासांगीतिकज्ञान।
2.प्रश्नपत्रनिर्माणकाज्ञान।
3.परीक्षापद्धतिकाज्ञान।
4.भारतीयशास्त्रीयनृत्यकाविस्तृतइतिहासतथाक्रमविकासकेविषयमेंसहीज्ञान।
(कथक, भरतनाट्यम, मणिपुरी, ओडिसी)
5.नृत्यप्रतियोगिताकीआवश्यकताकेविषयमेंज्ञान।
6.समसामयिकसांस्कृतिकजगतकाज्ञान।
7.प्रचारऔरप्रसारकेविषयमेंज्ञान।
8.ख्यातनामनृत्यविशेषज्ञोंकेजीवनकेविषयमेंज्ञान।
9.नृत्यमेंप्रयुक्तसभीपारिभाषिकशब्दोंकाज्ञान।
10.भारतीयलोकनृत्यकीविभिन्नविशेषताएँ, कला, कौशल, तालआदिकाअध्ययन।
11. नृत्यमेंनए-नएबोलरचनातथाताललिपिमेंलिखनेकाअभ्यास।
12. नृत्यसंबंधीमुद्राओंकाज्ञानतथाविभिन्ननृत्यशैलियोंमेंउसकाप्रयोग।
13. संगीतकेविभिन्नरागएवंठाटकेविषयमेंज्ञान।
14. शास्त्रीयनृत्यकेभविष्यकेविषयमेंचिंतन।
15. किसीसांस्कृतिककार्यक्रमकासंचालनकरनेकाज्ञान।
16. व्यवहारिकपाठ्यक्रमकेतालसमूहकाशास्त्रीयपरिचय।
17.सृजनशीलनृत्यतथाआधुनिकनृत्यकाज्ञान।

नृत्य(Dance)

प्रारम्भिकवर्ष – (आदय) – १
मौखिक
पूर्णांक :२५ + २५
शास्त्र :

1।छंद, तालकीसंख्या (दादराएवंकहरवातालकीमात्रासंख्या, विभाजन, ताली-खालीसंख्यातथाकरनेकाअभ्यास)।
2।१असंयुक्तमुद्राकाज्ञान।
3।१संयुक्तमुद्राकाज्ञान।
4।३प्रकारकीसुष्ठुचालोंकेनाम।
5।नृत्यकीसंज्ञा।
6।विभिन्नप्रकारकेनृत्यमेंप्रयुक्तवाद्ययंत्रोंकेनाम।
7।त्रितालिकएवंचतुर्तालिकछंदयुक्ततालोंकेनाम, मात्रासंख्या, विभाजन, ताली-खालीसंख्यातथाकरनेकाअभ्यास।
व्यवहारिक :
1।पदसंचालन।
2।दादराएवंकहरवायात्रितालिकएवंचतुर्तालिकछंदयुक्ततालहाथसेतालीदेकरदिखानेकाअभ्यास।
3।३प्रकारकीचालोंकाअभ्यास।
4।हावएवंभावकीअभिव्यक्ति।
5।ग्रीवा, कटि, कोमलएवंहाथसंचालनकाअभ्यास।
6।दादराएवंकहरवातालपर२नृत्यप्रदर्शन।

प्रारंभिकवर्ष(पूर्ण) – 2
(मौखिक)
पूर्णांक : 25 + 25
शास्त्र : 25
1।लय, समय, आवर्तन, मात्रा, विभाग, तालीवखालीकाअर्थक्याहै।
2।समपदीवविषमपदीतालकाअर्थक्याहै, उदाहरणसहितसमझाओ।
3।हाथसेताली-खालीदिखाकरदादरा, कहारवावत्रितालप्रस्तुतकरनेकाअभ्यास।
4। 1 संयुक्तहस्तमुद्राकाज्ञान।
5। 1 असंयुक्तहस्तमुद्राकाज्ञान।
6।विभिन्नभारतीयशास्त्रीयनृत्योंकेनाम।
7।सलामीवठाठ (त्रिताल) हाथसेप्रस्तुतकरनेकाअभ्यास।
व्यवहारिक: 25
1।दादरा, कहारवाएवंत्रितालहाथसे 1 पलसमताल (एकगुणवदिगुणमात्रा)।
2।त्रितालमेंसलामी, एकतोड़ाव 1 टीठाठदिखानेकाअभ्यास।
3। 10 सरलअंग-संचालन।
4।त्रिताल, दादरावकहारवातालमेंनृत्यप्रस्तुति।
5। 1 संपूर्णनृत्यप्रस्तुति।
6। 1 लोकनृत्यप्रस्तुति।

Kathak
कथकनृत्य

प्रथमवर्ष

शाखा
पूर्णांक : 50
परिभाषाएँ :ठेका, गति, पाट, सलामी, परन, नृत्य, नर्तनाट्य, लय, ताल, लय, मात्रा, ताली, खाली, समएवंविभाग।
त्रिताल, दादराएवंकहारवातालोंकाज्ञानतथाताललिपिसहितलिखनेकाअभ्यास।
त्रितालएवंदादरातालमेंठेकातथादुगुनमेंठेकालिखनेकाअभ्यास।
बिंदादिनमहाराजएवंअच्छनमहाराजकीजीवनी।
व्यवहारिक
पूर्णांक : 50
त्रितालमें 4 ठेका, 3 सलामी, 3 तोड़ा, 2 गततथा 2 तत्कारदिखानेकाअभ्यास।
दादराएवंकहारवातालमेंआधुनिकछोटानृत्य।
त्रिताल, दादराएवंकहारवातालोंकोहाथकेइशारोंसहितसम, ताली, खाली, विभागआदिदिखाकरबोलनेकाअभ्यास।

द्वितीयवर्ष
पूर्णसंख्या :५०
शास्त्र :
परिभाषाएँ :अंश, उपांश, प्रत्यंग, ठाट, हस्तक, पड़ंत, आमद, आसन, कवित्ततथाप्रथमवर्षकेपाठ्यक्रमानुसारपरिभाषाएँ।
३ताल, ३प्रत्यंग, ६प्रकारकीचालोंकाताल, ४प्रकारकेहस्तसंचालन, ६प्रकारकीदृष्टिसंचालनतथाहस्तमुद्राओंकेप्रकारोंकासंक्षिप्तज्ञान।
लच्छूमहाराजएवंशंभूमहाराजकाजीवन-परिचय।
झपताल, एकतालएवंतिव्रतालताललिपिसहितबोलोंकाअभ्यास।
व्यावहारिक
पूर्णांक :५०
हाथ, कवित्त, मायाएवंकोमलकाव्याख्यान।
ठाट, कक्षएवंआमदकाअभ्यास।
त्रितालमें१०तोड़े, २परण, २चक्करदारपरण, २आमद, २सलामीएवं२कवित्तदिखानेकाअभ्यास।
झपतालतालमेंविभिन्नठाट, तोड़ाएवं२परणदिखानेकाअभ्यास।
मुखबंदिकेसाथ५गतें।

तृतीयवर्ष
शास्त्र
पूर्णसंख्या :५०
1।परिभाषा :भूतिधारी, आकाशचारी, विषमपाद, जीवमाल, तत्त्वमाल, शुष्कमाल, नीतिपथ, अङ्गपथ, नृत्याङ्ग, ज्ञानवी, मानवि, गजगामिनी, तुरङ्गिनी, आरोहण, अवरोहण, चक्रगतिएवंप्रवाहगति।
2।पात्रकेगुण-दोषतथावर्जनीयलक्षणोंकेसंबंधमेंज्ञान, कथकएवंनटवरीनृत्यकेमध्यअंतर, चारप्रकारकेअभिनयकाज्ञानतथासंयुक्तएवंअसंयुक्तमुद्राओंकाज्ञान।
3।कथकनृत्यकीविशेषतातथाभारतीयनृत्यकासंक्षिप्तइतिहास।

4।कालिकाप्रसादएवंठाकुरप्रसादकीजीवनी।
5।त्रिताल, रूपकएवंसूरफाक्तालआदितालोंकोतालिपिसहितविभिन्नलयकारीमेंलिखनेकाअभ्यास।

व्यवहारिक

पूर्णसंख्या :५०

1।छंदसंचालनएवंकूदोंकेसंचालनकाअभ्यास।
2।त्रिताल, झपतालएवंरूपकतालेमेंनिबद्ध४कठिनतोड़ा, २सलामी, ५चक्कर,
टुकड़ाएवं२परनदिखानेकाअभ्यास।
3।धमारतालमेंनिबद्ध२तोड़ा, ४आमद, १सलामीएवं२दमदारपरन।
4।उपर्युक्ततालोंकोहाथसेइतिहाससहितसम, ताली, खाली, विभागआदिदिखाकरकरनेकाअभ्यास।

कथकनृत्य

चतुर्थवर्ष

शास्त्र

पूर्णसंख्या :१००

1।परिभाषा :प्रथमसेचतुर्थवर्षतककीपाठ्यक्रमानुसारपरिभाषाएँ।
2।गगरी, घुँघरू, पक्षीपावन, यतिप्रसार, प्रस्थान, निकास, एकपदचारी, एकपदचलनचारी, आदावत,
अनुपात, स्थिति, जातिएवंमुद्राओंकाविशेषज्ञान।
3।कथकनृत्यकाविस्तृतज्ञान, नृत्यकेघरानोंकातुलनात्मकआलोचन,
उत्तरभारतमेंलोकनृत्यकीविशेषतातथानृत्यकलामेंअभिनयकीआवश्यकता।
4।तालकादशप्राण, गुण, लघु, द्रुतएवंअनुप्रस्तकाज्ञान।
5।चक्रताल, मदन, चुरामणिएवंजयमंगलतालमेंतोड़ालिखनेकाअभ्यास।
व्यवहारिक
पूर्णसंख्या :१००
1।त्रितालमेंकठिनतोड़ाएवंउसकेविभिन्नप्रकारतथापरनकी१आमद।
2।होली, माखनचोरी, कालियदमनआदिकाप्रदर्शन।
3।टुकड़ा, परनआदिकोहाथसेतालीदेकरदिखानेकाअभ्यास।
4।आड़ाचौतालएवंसूरफाक्तालमें१आमद, १सलामी, ३तोड़ाएवं२तोड़ादिखानेकाअभ्यास।

कथकनृत्य

षष्ठवर्ष

पूर्णांक : 100

शास्त्र

1।अनुलोम, प्रतिलोम, प्रमरी, चक्रप्रमरी, कुटितप्रमरी, कथक, अभिनय, गति, विस्तार, व्याख्यिका, कविता,
प्रभाव, काल, कला, ग्रह, क्रिया, आलिंगनएवंकुटित – इनपरिभाषाओंकीविशेषव्याख्या।
2।उदयशंकर, बालासरस्वती, सितारादेवी, दमयंतीजोशी,
गोपीकृष्णएवंबिरजूमहाराजकानाट्यजीवनपरिचय।
3।अर्जुनताल, गणेशताल, रुद्रतालएवंपंचमसवारीताललिपिसहितलिखनेकाअभ्यास।
4।समाजमेंनृत्यकेस्थानकेविषयमेंचर्चा।
5।नृत्यकेसप्तांगोंकेविषयमेंविशेषचर्चा।
6।वाद्यमेंनृत्यरचनाकीविधितथावाद्यमेंनृत्यकीविशेषताओंकेविषयमेंचर्चा।
7।आधुनिकसमाजव्यवस्थामेंनृत्यकीउपयोगिताकेविषयमेंअपनामत।

8।कथकनृत्यकीविभिन्नधाराओंकीविशेषताएँएवंप्रचलन।
9।भावभंगिमाएवंविशेषीकृतताललिपिज्ञान।
10।दक्षिणभारतीयताललिपिज्ञानएवंताललिपिमेंउत्तरभारतीयताललिखनेकाअभ्यास।

व्यवहारिक

पूर्णांक : 100

1।अष्टगति, मंगलएवंहस्तमुद्राओंमेंविशेषनिपुणता।
2।नेत्र, वृत्त, कटि, चरण, हस्तआदिअंगोंकेयथायोग्यसंचालनमेंदक्षता।
3।पूर्ववर्तीवर्षोंकेपाठ्यगतनृत्यकरनेकाअभ्यास।
4।अर्जुनताल, गणेशताल, रुद्रतालएवंपंचमसवारीतालमेंपरन, चक्करदारपरन, तत्कार, तोड़ा, आमदआदिप्रदर्शनकाअभ्यास।
5।किसीएकगीतकेसाथनृत्यगतभावप्रदर्शनकाअभ्यास।
6।किसीएकविषयपर 20 मिनटकानृत्यप्रदर्शनकाअभ्यास।
7।बनारसीघरानेकीविशेषउदाहराणोंसहितप्रदर्शनकाअभ्यास।

सप्तमवर्ष

पूर्णांक : 100

शास्त्र

1।प्रथमसेषष्ठवर्षतकपाठ्यक्रमगतसभीशास्त्रीयविषयोंकाज्ञान।
2।प्रथमसेषष्ठवर्षतकसभीपाठ्यतालतालललिपिसहितविभिन्नलयोंमेंलिखनेकाअभ्यास।
3।भारतीयनृत्यकेविभिन्नयुगोंकेविषयमेंचर्चा।
4।नृत्यवाद्यकीउपयोगिताकेविषयमेंअपनामत।
5।नृत्यएवंअभिनयकापारस्परिकसंबंध।
6।कथकनृत्यकाविस्तृतइतिहास।
7।भारतीयनृत्यमेंमुद्राओंकासांकेतिकअर्थ।
8।नृत्यरसएवंभावकीविशेषताएँ।
9।प्रथमसेषष्ठवर्षतकपाठ्यनृत्यविदोंकाजीवनपरिचय।
10।एकउत्तमनर्तकमेंजो-जोगुणआवश्यकहैं, उनकेविषयमेंविशेषज्ञान।
11।उच्चस्तरपररचितविभिन्नप्रकारकेलोकनृत्योंकाज्ञान।

व्यवहारिक

पूर्णांक : 100

1।प्रथमसेषष्ठवर्षतकपाठ्यपरिचयप्रदर्शनकाअभ्यास।
2।प्रथमसेषष्ठवर्षतकपाठ्यतालहाथसेतालीदेकरबोलनेकाअभ्यास।
3।किसीनृत्यविषयकीकल्पनाकरएकलरूपसेकमसेकम 20 मिनटप्रदर्शनकाअभ्यास।
4।प्रथमसेषष्ठवर्षतकतालमेंगत, तोड़ा, परन, सलामीआदिप्रदर्शनकाअभ्यास।
5।चतुर्थएवंपंचमवर्षमेंउल्लिखितमानतरी, होली, कालियादमनएवंबंधुरागगतोंसहितप्रदर्शनकाअभ्यास।
6।किसीविषयकीकल्पनाकरएकलोकनृत्यकीरचनाकरप्रदर्शनकाअभ्यास।
7।रवीन्द्रनाथरचित 'श्यामा' या 'चित्रांगदा' केएकगीतकेसाथनृत्यप्रदर्शनकाअभ्यास।
8।वानुसिंहकीपदावलीकेएकगीतकेसाथनृत्यप्रदर्शनकाअभ्यास।
9।रवीन्द्रनाथरचितवसंतएवंवर्षाऋतुकेएक-एकगीतकेसाथनृत्यप्रदर्शनकाअभ्यास।

भारतनाट्यम

प्रथमवर्ष
पूर्णांक : 50
शास्त्र :
रूपक, त्रिपुट, चंपकअथवामिश्रतालकाज्ञान (3, 6, 8 एवं 7 मात्राओं) अक्षरोंमें।
अलारिप्पुकेबारेमेंपूर्णज्ञान।
तालकी 5 जातियाँएवं 3 लय (विलंबित, द्रुत, मध्य) काज्ञान।
1 से 14 तकअडवुकेबारेमेंपूर्णज्ञान।
10 असंयुक्तमुद्राओंकाअर्थएवंज्ञान — पताका, त्रिपताका, अर्धपताका, कर्तरीमुख, मयूर, अर्धचन्द्र, अराल, शुकतुण्ड, मुष्टिएवंशिखर।
श्रीमतीबालासरस्वतीकाजीवनपरिचय।
व्यवहारिक :
1 से 14 तकअडवुतेज, द्रुतएवंचौगुणलयमेंहाथवपाँवद्वाराव्यक्तकरनेकाअभ्यास।
अलारिप्पु (तिस्रगति) करनेकाअभ्यास (घूमतेहुए)।
तिस्रम, रूपकम, चतुरश्रमअथवाआदितालमेंहाथसेतालीदेकरदिखाना।
20 असंयुक्तमुद्राएँ।
दृष्टिसंचालनकाअभ्यास।

भारतनाट्यम
द्वितीयवर्ष
पूर्णांक : 50
शास्त्र :
अलारिप्पुगतिस्वरकाअर्थएवंपूर्णज्ञान।
10 संयुक्तमुद्रा, 5 असंयुक्तमुद्राकेश्लोकएवंउनकेअर्थसहितपूर्णज्ञान।
नृत्य, नृत्तएवंनाट्यकापूर्णज्ञान।
भारतनाट्यमकापरिचयसहितसंक्षिप्तइतिहास।
श्रीमतीरुक्मिणीदेवीअरुंडेलकाजीवनपरिचय।
व्यवहारिक :
प्रथमवर्षकेअडवुछोड़कर 15 से 23 तकअडवुकरनेकाअभ्यास।
अलारिप्पुतीनलयमें, द्विगुणएवंचौगुणलयमेंकरनेकाअभ्यास।
शिरोभेदकेप्रकारएवंप्रत्येककेतीन-तीनलयमेंकरनेकाअभ्यास।
गतिस्वरकागतिकरनेकाअभ्यास।
15 असंयुक्तमुद्राकरनेकाअभ्यास।
ध्वनिकेबारेमेंज्ञानएवंउसकीउत्पत्ति।

भारतनाट्यम
तृतीयवर्ष
पूर्णांक : 50
शास्त्र :
नवरसकापूर्णज्ञान।
दृष्टिभेदकेश्लोकतथाउनकासम्पूर्णज्ञान।

शब्दशब्दकाअर्थ।
आंगिक, आहार्य, वाचिकएवंसात्त्विकअभिनयकेभेदोंकेबारेमेंज्ञान।
दक्षिणभारतकेएकप्रसिद्धनर्तकीकाजीवनपरिचय (वर्तमानकालमें)।
भरतकेनाट्यशास्त्रकेअनुसार 34 असंयुक्तमुद्राओंकेश्लोकएवंउनकापूर्णज्ञान।
नादकेतीनविशेषताओंकेबारेमेंचर्चा।

व्यवहारिक :

गतिस्वरएवंशब्दम्, वसंत, देवरीएवंकल्याणीमेंसेकिसीएकआदितालमेंनृत्यकरनेकाअभ्यास।
दृष्टिभेदकाज्ञान।
कर्नाटकतालपद्धतिहाथसेतालीदेकरदिखानेकाअभ्यास।
5 संयुक्तमुद्राकरनेकाअभ्यास।
सप्ततालजातिकेअनुसारहाथसेतालीदेकरदिखानेकाअभ्यास।

भारतनाट्यम
चतुर्थवर्ष
पूर्णसंख्या : 100
शास्त्र :

1।परिभाषा :नृत्य, नाट्य, भाव, लास्य, आरोह, अवरोह, वर्ण, ठाटएवंराग।
2।वर्णम, पदमकापुनरावर्तन।
3।सूर्यहस्त, चन्द्रहस्त, कूर्महस्त, शुकहस्तएवंशुकतुण्डहस्तकीप्रकृतिकाअर्थ।
4।कर्नाटकीतालपद्धतिकापुनरावर्तन।
5।चिदैयाएवंपुट्टैयाकासंक्षिप्तजीवनपरिचय।
6।मंगलभेदोंकेश्लोकएवंउनकापुनरावर्तन।जैसे :स्तानकमंगल, आयतमंगल, आलिड़मंगल, पार्श्वमंगलइत्यादि।
7।चारियोंकेश्लोकएवंउनकापुनरावर्तन।जैसे :चलनचारी, चक्रमचारी, शरभचारी, ललितचारीइत्यादि।
8।शब्दम्का 1 गीतसीखनेकाअभ्यास।

भारतनाट्यम
पंचमवर्ष
पूर्णसंख्या : 100
शास्त्र :

1। 1वेंसे 4वेंवर्षतककासमग्रपाठ्यक्रम।
2।भारतनाट्यमकापूर्णइतिहास।
3।देवदासी, राजदासीएवंशिवदासीकीसंकल्पना।
4।कर्नाटकीएवंउत्तरभारतीयतालोंकाज्ञान।
5।भारतनाट्यम, कथकली, मणिपुरीएवंकथकनृत्यकातुलनात्मकअध्ययन।
6।भारतनाट्यममेंप्रयुक्तवाद्ययंत्रोंकापरिचय।
7।भारतनाट्यमकीरूपसज्जा, वेशभूषाएवंमंचसज्जाकापुनरावर्तन।
8।दक्षिणएवंउत्तरभारतीयलोकनृत्योंकातुलनात्मकअध्ययनएवंपुनरावर्तन।
9।श्रृंगाररसकेअवस्थाभेदतथाभावकेलक्षण।जैसे :चिंता, लज्जा, उत्साह, मूर्छा, क्रोध, क्रिया, दयाआदिकाज्ञान।
10।भारतनाट्यममेंअन्यप्रदेशोंकायोगदान।

11।बिन्दुदीपकएवंभावसंगीतमेंप्रचलिततालिपिकाज्ञान।

व्यवहारिक :

पूर्णसंख्या : 25

1। 1वेंवर्षसे 4वेंवर्षतककेसमस्तनृत्योंकाअभ्यास।

2।आदितालअथवारूपकतालमेंतिल्लानाकरनेकाअभ्यास।

3।पदमकरनेकाअभ्यास।

4।निजउस्तादद्वाराज्ञातरागपरपदमकरनेकीक्षमता।

5।भावएवंनाट्यकाएक-एकपदम।

6।पदमकरकेकुशलता, वेगताएवंमधुरताप्रदर्शितकरनेकाअभ्यास।

भरतनाट्यम्

षष्ठवर्ष

पूर्णसंख्या :१००

शास्त्र :

१।पूर्ववर्तीवर्षतककासमग्रपाठ्यक्रम।

२।रचना :भरतनाट्यम्नृत्यकीलोकप्रियताकेसंबंधमेंतुलनात्मकचर्चा,
कर्नाटकीतथाउत्तरभारतीयरागऔरठाटविभाजनपद्धतिकाज्ञान,
अन्यसहयोगीभरतनाट्यम्नृत्योंकेप्रचारकेसंबंधमेंचर्चा, शास्त्रानुसारभरतनाट्यम्नृत्यकीश्रेणीविभाजन,
भरतनाट्यम्नृत्यमेंअग्रजोंकायोगदान, लोकनृत्यकीउपयोगिता, भरतनाट्यम्तथाकथकलीनृत्यकाअंतर।

३।दक्षिणभारतीयकिसीएकलोकनृत्यकासर्वांगिणवर्णन।

४।दक्षिणभारतीयतालपद्धतिकाज्ञान।

व्यावहारिक :

पूर्णसंख्या :१००

१।पूर्ववर्तीवर्षतककासमग्रपाठ्यक्रम।

२।ताण्डवतथालास्यके१-१पदोंकाअभ्यास।

३।दक्षिणीलोकनृत्यकाप्रदर्शन।

४।वर्णम्तथातिल्लानाकाअभ्यास (किसीभीरागमें)।

५।जयदेवकेअष्टपदीपरनृत्यप्रदर्शनकीक्षमता।

६।किसीभी२कर्नाटकीरागोंकेगायनकाअभ्यास।

७।मुद्राकेसहयोगसेनवरसकाप्रदर्शन।

भरतनाट्यम्

सप्तमवर्ग

पूर्णसंख्या :१००

शास्त्र :

१।पूर्ववर्तीवर्गोंकासम्पूर्णपाठ्यक्रम।

२।रचना :नृत्य, भावएवंरस, नायक-नायिका, देहमेंनवरसकातात्पर्यएवंप्रयोग, नर्तकीनृत्यधारा,
आंगिकअभिनयकाश्रेणीविभाजन।

३।तिल्लानातथानाट्यम्अभिनयकापूर्णज्ञान।

४।अडवुकेसंबंधमेंपूर्णज्ञान।

५।अभिनयदर्पणकेसमस्तमुद्राएँएवंश्लोक।

६।करण, रक्षकएवंअंगजोंकापूर्णज्ञान।
७।सप्ततालोंकापूर्णपरिचय।
८।भरतनाट्यम्मेंप्रयुक्ततालोंकीजाति।

सृजनशीलनृत्य
(Creative Dance)

प्रथमवर्ष
शास्त्रीय (Theoretical) : **पूर्णांक : 50**

1।रचनात्मकनृत्यसेक्यासमझतेहैं?
2। 10 असंयुक्तमुद्राओंकेनाम।
3।परिभाषा — ताली, खाली, ताल, लय, मात्रा, विभाग, छंद, सम, नृत्य।
4।दृष्टिकेप्रकार।
5।भाववलयसेक्यासमझतेहैं?
6।तेवड़ाताल, दादराताल, कहारवाताल, त्रितालकेबारेमेंपूर्णपरिचय।
7।उदयशंकरवशंभुमहाराजकीजीवनी।
व्यावहारिक (Practical) : **पूर्णांक : 50**
1।ग्रीवावहस्तसंचालन।
2। 10 असंयुक्तव 10 संयुक्तमुद्राओंकाप्रदर्शनअभ्यास।
3।त्रितालकाएकगुण, दोगुणवचौगुणहाथसेतालीदेकरबोलनातथापदअभ्यास।
4।भरतनाट्यमकादोअड़ावुप्रदर्शन।
5। 1 आधुनिकसंगीतपरनृत्यप्रदर्शन।
6। 1 छंदकेगीतपरनृत्यप्रदर्शन।
7।कविगुरुके 2 विभिन्नपर्यायकेसंगीतपरनृत्यप्रदर्शन।

सृजनशीलनृत्य
द्वितीयवर्ष
शास्त्रीय (Theoretical) : **पूर्णांक : 50**
1।संयुक्तवअसंयुक्तमुद्राओंकेप्रकारवउनकाप्रयोग।
2।परिभाषा :तवला, बाँया, श्रीखोल, चारी, भ्रमरी, स्थानक, मुद्राएँ, अंग, उपांग, नाट्य, वर्ण, ठाट, लोकनृत्य।
3।शास्त्रीयनृत्यवलोकनृत्यकाअंतर।
4।रवीन्द्रनाथकेनृत्यजीवनमेंसंगीतकाप्रभाव।
5।तालपरिचय :एकादशी, एकताल, नवताल, अर्धझंप, झपताल।
6।भरतनाट्यमकीधारणाओंकापरिचयदें।
7।जीवनानंददासकी 'रूपसीबांग्ला' कीएककविता।

8।मनोमयकर, आनंदमयकर, तनुश्रीकर, अमलशंकर।
9।रवीन्द्रसंगीतकेपूजापर्यायकेएकगीतकीबाणीकविताकेरूपमेंलिखें।

व्यावहारिक (Practical) : पूर्णांक : 50

1। 8 असंयुक्ततथा 12 संयुक्तमुद्राकाप्रदर्शन।
2।दादरा, कहारवावत्रितालहाथसेतालीदेकरबोलनातथापदअभ्यास।
3।कथककाएकतोड़ावएकसलामी।
4। 1 आधुनिकसंगीतपरनृत्य।
5। 1 छंदपर्यायव 1 पूजापर्यायकेगीतपरनृत्यप्रदर्शन (कविगुरु)।
6। 1 छंदकेगीतपरनृत्यप्रदर्शन।

सृजनशीलनृत्य

तृतीयवर्ष

शास्त्रीय (Theoretical) : पूर्णांक : 50

1।परिभाषा :नृत्यनाट्य, तराना, अर्धमंडल, तिहाई, चक्करदार, गंध, किकिनी, रसवभाव, अनुभाव।इसकेअतिरिक्तपूर्ववर्तीवर्षोंकीपरिभाषाएँ।
2।तालपरिचय :त्रिताल, झपताल, एकताल, तेवड़ाताल।इसकेअतिरिक्तपूर्ववर्तीवर्षोंकेताल।
3।अभिनयसेक्यासमझतेहैं?
4।भारतीयनृत्यकाइतिहास।
5।दक्षिणभारतीयतालपद्धति।
6।रचनात्मकनृत्यमेंमुखाभिनय।
7।रचनात्मकनृत्यमेंसमूहबद्धताकारूप।
8।भारतकेविभिन्नशास्त्रीयनृत्योंकातुलनात्मकविवेचन।
9।जीवनी — गुरुअमृतासिंह, विष्णुचक्रवर्ती, बालासरस्वती, इसकेअतिरिक्तपूर्ववर्तीवर्षोंकीपाठ्यसूचीमेंशामिलजीवनी।

व्यावहारिक (Practical) : पूर्णांक : 50

1।पूर्ववर्तीवर्षोंकीसभीहस्तमुद्राओंकाप्रदर्शन।
2।झपतालवएकतालहाथसेतालीदेकरबोलनातथापदअभ्यास।
3।एकलनृत्यप्रदर्शन।
4।प्रथमवद्वितीयवर्षकेसभीनृत्य।
5।सरस्वतीवंदना (नृत्यप्रदर्शन)।
6।भरतनाट्यमकाकोईदोनृत्यप्रदर्शन।
7।कथककाएककवित्त, तोड़ा, परन, आमद, टुकड़ा (त्रिताल)।

सृजनशीलनृत्य

चतुर्थवर्ष

सैद्धान्तिक (Theoretical):

पूर्णांक : 100

परिभाषा :बाजना, कीर्तन, मृदंग, हस्तक, करकसमक, लयकारी, स्थिति, गाड़ी, श्रुति, चक्रलयगति, आकाशचारी, नृत्यकला।इसकेअतिरिक्तपूर्ववर्तीसभीवर्षोंकीपरिभाषाएँ।
तालपरिचय :धमार, चौताल, त्रिताल, झपताल, एकताल।इसकेअतिरिक्तपूर्ववर्तीवर्षोंकेसभीताल।
जीवनी :अनादिप्रसाद, अतिनलाल, प्रभुदास।इसकेअतिरिक्तपूर्ववर्तीवर्षोंकीजीवनियाँ।

बैलेनृत्यकेबारेमेंजोजानतेहोउसकाविस्तारसेवर्णनकरो।
मणिपुरीरासनृत्य।
भारतनाट्यमकेअलारिप्पुनृत्यकाविस्तृतवर्णन।
शिवबन्दनाऔरगणेशबन्दनाकाविस्तृतवर्णन।
सृजनशीलनृत्यमेंउच्चांगनृत्यकेसमानशिक्षाग्रहणकीकलाक्रम।
सृजनशीलनृत्यमेंमुक्ताभिनय।
कविसत्येन्द्रनाथदत्तकी "तीनखानतीनदाँड़" कवितामुखस्थलिखो।
कविगुरुकी "दुईबिघाजमीन" कवितामुखस्थलिखो।
सृजनशीलनृत्यऔरलोकनृत्यकातुलनात्मकआलोचना।
सृजनशीलनृत्यकेउदाहरण।
नृत्यमेंरसकीउपयुक्तताऔरनव-रस।
नृत्यऔरभारतीयसाहित्यतथाशिल्पकला।

व्यावहारिक (Practical):

पूर्णांक : 100

धमारताल, एकताल, झपतालहाथसेतालीदेकरएकगुण, द्विगुणऔरचौगुणकरनेकाअभ्यासतथापदअभ्यास।
दोआधुनिकगीत — "पथेएबारनामोसाथी" और "ओनदीरे" इनगीतोंपरनृत्यप्रदर्शन।
किसीएकभाटियालीगीतपरनृत्यप्रदर्शन।
दोआधुनिकलोकसंगीतकेऊपरनृत्यप्रदर्शन।
रवीन्द्रनाथके "ताशेरदेश" नृत्यनाट्यकेअन्तर्गतगीतोंपरनृत्यप्रदर्शन।
पूर्ववर्तीसभीवर्षोंकेसभीनृत्योंकेबारेमेंज्ञानहोनाआवश्यकहै।
सृजनशीलनृत्य
पंचमवर्ष

सैद्धान्तिक (Theoretical):

पूर्णांक : 100

परिभाषा :रेखक, प्रतिलोम, नृत्यहस्त, अन्तर, स्थायी, सञ्चारी, अलंकार, कथाकली, कथक, गजरागमिनी, वृन्दवेद, दृष्टिवेद, त्रिनाट।इसकेअतिरिक्तपूर्ववर्तीवर्षोंकीसभीपरिभाषाएँ।
तालपरिचय :आड़ाचौताल, पंचमसवारी, नवपंच, रूपकड़ा।इसकेअतिरिक्तपूर्ववर्तीवर्षोंकेसभीताल।
जीवनी :नरेन्द्रशर्मा, शान्तिवर्धन, शान्तुभट्टाचार्य, अन्नापावलोवा,
शंकरननम्बूदरी।इसकेअतिरिक्तपूर्ववर्तीवर्षोंकीजीवनियाँ।
भारतीयनृत्यआंदोलनमेंरवीन्द्रनाथकायोगदान।
भारतीयशास्त्रीयनृत्य, रवीन्द्रनृत्यऔरसृजनशीलनृत्यमेंप्रयुक्तवाद्ययंत्रोंकेनाम।
कथाकलीनृत्यकीमुद्राऔरसाज।
सृजनशीलनृत्यऔररवीन्द्रनृत्यकीतुलना।
सृजनशीलनृत्यकेविषय।
सृजनशीलनृत्यकेउदाहरण।
बैलेओपेराऔरसृजनशीलनृत्यनाट्यतथाइसकेअतिरिक्तपूर्ववर्तीवर्षोंकीसम्पूर्णपाठ्यतालिका।

व्यावहारिक (Practical):

पूर्णांक : 100

पूर्ववर्तीवर्षोंकेसभीतालहाथसेतालीदेकरबोलनातथापदअभ्यास।
रवीन्द्रसंगीतकेसभीचरणोंसेएक-एकगीतपरनृत्यप्रदर्शन।

किसीएकरवीन्द्रनृत्यनाट्यकेसभीगीतोंपरनृत्यअभ्यास।
किसीभीप्रकारकेआधुनिकसृजनशीलगीतपरनृत्यप्रदर्शन।
परीक्षाकेसमयपरीक्षककीपसन्दकेअनुसारकिसीभीसृजनशीलनृत्यकाप्रदर्शनकरनेकीक्षमताहोनीचाहिए।
पूर्ववर्तीसभीवर्षोंकीसम्पूर्णपाठ्यतालिकाकेसभीनृत्यप्रदर्शनोंकाज्ञान।

तबला / पखावज

प्रारम्भिकवर्ष – प्रथमभाग
पूर्णांक :२५+२५
मौखिक
निम्नशब्दोंमेंसेकिसीभीचारकीपरिभाषा (खाली, गर, कानि, छोटा)।
दादरा, कहारवातालदोनोंहाथोंसेतालीदेकरबोलो।
किसीभीहस्तसाधना (चार) मुँहसेबोलो।
व्यवहारिक
दादरा, कहारवातालदोनोंबजानेकाअभ्यास।
किसीभीचारहस्तसाधनाबजानेकाअभ्यास।
दादरा, कहारवातालदो-दोप्रकारसेबजानेकाअभ्यास।
परिभाषा (मौखिक) :तालीऔरखाली।
तबला / पखावज
प्रारम्भिकवर्ष – द्वितीयभाग
पूर्णांक :२५+२५
मौखिक
परिभाषा :ताल, मात्रा, विभाग, सम, आवर्तन।
त्रिताल, दादरा, कहारवाकापरिचयसंबंधीज्ञान।
त्रिताल, दादरा, कहारवाहाथसेतालीदेकरबोलना।
दादरा, कहारवातालदोनोंद्विगुणबोलना।
तबलाकेपूर्वअंगकावर्णन।
व्यवहारिक
त्रितालके१कायदा, १पल्टाव१तेहाईबजानेकाअभ्यास।
त्रितालके१टुकड़ाबजानेकाअभ्यास।
दादरा, कहारवातालकेठेका, ठाय, द्विगुणबजानेकाअभ्यास।
तबलावबायाँकेबेलयाबोलोंकीसंख्याऔरउनकाउच्चारण।
तबलाऔरपखावज
प्रथमवर्ष
पूर्णांक :५०
शास्त्र
परिभाषा :ठेका, लय, विलंबित, मध्य, द्रुत, मात्रा, ताल, विभाग, ताली, खाली, सम, आवर्तन, ठायवद्विगुण।
रचना :तबलावपखावजकेअंगवर्णन, तबलावपखावजकीउत्पत्ति।
जीवनी :अनोखेलालमिश्रवपंडितशंकरप्रसाद।
त्रिताल, दादरावकहारवाइनतालोंकीताललिपिसहितलिखनेकाअभ्यास (तबलाकेक्षेत्रमें)

झपताल, चौतालवसूरफाकतालइनतालोंकीताललिपिसहितलिखनेकाअभ्यास (पखावजकेक्षेत्रमें)।
त्रितालमें१कायदा, २मुखड़ा, १टुकड़ाऔर१तेहाईलिखनेकाअभ्यास (तबलाकेक्षेत्रमें)।
चौतालमें१परन, १टुकड़ाऔर१तेहाईलिखनेकाअभ्यास (पखावजकेक्षेत्रमें)।

व्यवहारिक

शास्त्रपाठ्यतालिकानुसारतालोंकाठेकाबजानेकाअभ्यासऔरचतुर्थस्तरतक।
पूर्णांक :५०

तबलाएवंपखावज
द्वितीयवर्ष
पूर्णांक : 50
शास्त्र :

परिभाषा :बोल, कायदा, पाटा, तेहाई, मोहड़ा, मुखड़ा, टुकड़ा, रेला, परन, पेशकारएवंउठान।
तबलाएवंपखावजकेदाहिनेऔरबाएँकोस्वतंत्ररूपसेआघातकरकेजोसभीसंयुक्तवाणीउत्पन्नकीजासकतीहैंउन काज्ञान।
पं. महाराजएवंअहमदजानथिरकवाकाजीवनपरिचय।
एकताल, रूपकएवंतेवड़ाइनतालोंकीताललिपिसहितलिखनेकाअभ्यास (तबलाकेलिए)।
तेवड़ा, धमारएवंसूलतालइनतालोंकीताललिपिसहितलिखनेकाअभ्यास (पखावजकेलिए)।
रूपकतालमें 3 कायदा, 2 पेशकार, 2 टुकड़ाऔर 3 तेहाईलिखनेकाअभ्यास (तबलाकेलिए)।
झपतालमें 3 परन, 3 टुकड़ा, 3 तेहाईलिखनेकाअभ्यास (पखावजकेलिए)।
व्यवहारिक :
पूर्णांक : 50
शास्त्रपाठ्यतालिकानुसारतालोंकोठेका, द्विगुणएवंत्रिगुणलयमेंलिखनेकाअभ्यास।
हाथकीक्रियासहितसम, ताली, खाली, विभागआदिदिखाकरपाठ्यतालिकानुसारतालोंकेठेकाउच्चारण।
शास्त्रपाठ्यतालिकानुसारपंचमस्वरमेंउल्लिखितअलंकारोंकोबजानेकाअभ्यास।

तबलाएवंपखावज
तृतीयवर्ष
पूर्णांक : 50
शास्त्र :

परिभाषा :लग्गी, लग्गी, आड़, गट, बाट, चक्रदार, ग्रह, दमदार,
तेहाईएवंबेदमदारतेहाईतथाप्रथमएवंद्वितीयवर्षकीपाठ्यतालिकाकीसभीपरिभाषाएँ।
पखावजएवंतबलावादकोंकेगुणएवंदोष, तालकेदशप्राणकाज्ञान, संगीतमेंतालकीआवश्यकता।
दुलतचन्द्रभट्टाचार्य, हीरेंद्रनाथगांगुलीएवंप्रसन्नबनिककाजीवनपरिचय।
आड़ाचौताल,
झूमराएवंगजझम्पाइनतालोंकीताललिपिसहितलिखनेकाअभ्यासतथाप्रथमसेतृतीयवर्षकीपाठ्यतालिकाकेतालोंकेअंशविशेषदेखकरतालपहचाननेकाअभ्यास।
व्यवहारिक :
पूर्णांक : 50
त्रिताल, झपतालएवंरूपकतालमेंविभिन्नअलंकारोंसहितपूर्णलहराबजानेकाअभ्यास (तबलाकेलिए)।
चौताल, धमारएवंगजझम्पातालमेंविभिन्नअलंकारोंसहितपूर्णलहराबजानेकाअभ्यास (पखावजकेलिए)।
प्रथमसेतृतीयवर्षकीपाठ्यतालिकाकेसमस्ततालोंकोठेका, द्विगुण, चौगुणएवंआड़लयमेंबजानेकाअभ्यास।

हाथकीक्रियासहितइसवर्षकीपाठ्यतालिकाकेतालोंमेंसम, ताली, खाली, विभागआदिदिखाकरठेकाउच्चारण।
तबलाएवंपखावज
चतुर्थवर्ष
पूर्णांक : 100
शास्त्र :
परिभाषा :लेह, विलंबित, मिश्र, द्रुतगति, त्रिपल्ली, अतीत, अनागत, विषम, अनुरुद्ध, रसमयी, अताईतथाप्रथमसेतृतीयवर्षकीपाठ्यतालिकाकीपरिभाषाएँ।
भारतीयचर्मवाद्योंकाइतिहास, हिंदुस्तानीएवंकर्नाटकतालपद्धतिकातुलनात्मकविवेचन, लयएवंलयकारीकेभेदकाज्ञान।
केरामतुल्लाखाँ, अल्लाबक्सएवंसतीशचन्द्रदे (दानीबाबू) काजीवनपरिचय।
रुद्र, शिखर, कंठ,
त्रिवेणिइनतालोंकीताललिपिसहितलिखनेकाअभ्यासतथाप्रथमसेचतुर्थवर्षकीपाठ्यतालिकाकेतालोंकेअंशविशेषदेखकरतालपहचाननेकाअभ्यास।
व्यवहारिक :
पूर्णांक : 100
एकताल, सूरफाकतालएवंतेवड़ातालमेंविभिन्नअलंकारोंसहितपूर्णलहराबजानेकाअभ्यास (तबलाकेलिए)।
आड़ाचौताल, सूलतालएवंशिखरतालमेंविभिन्नअलंकारोंसहितपूर्णलहराबजानेकाअभ्यास (पखावजकेलिए)।
प्रथमसेचतुर्थवर्षकीपाठ्यतालिकाकेतालोंकोठेका, द्विगुण, त्रिगुण, चौगुणएवंआड़लयमेंबजानेकाअभ्यास।
हाथकीक्रियासहितइसवर्षकीपाठ्यतालिकाकेतालोंमेंसम, ताली, खाली, विभागआदिदिखाकरठेकाउच्चारण।
तबलाएवंपखावज
पंचमवर्ष
पूर्णांक : 100
शास्त्र :
1.परिभाषा :प्रथमसेचतुर्थवर्षकीपाठ्यतालिकाकीसभीपरिभाषाएँ।
2.प्रथमसेचतुर्थवर्षकीपाठ्यतालिकाकेसभीतालोंकोठेका,
द्विगुणएवंआड़लयमेंताललिपिसहितलिखनेकाअभ्यास।
3.प्रथमसेचतुर्थवर्षकीपाठ्यतालिकाकेसभीसंगीतज्ञोंकाजीवनपरिचय।
4.ब्रह्म, धुमाली, पंचमएवंदीपचंदीइनतालोंकीताललिपिसहितलिखनेकाअभ्यास।
5.अप्रचलिततालोंकेप्रचारकीआवश्यकताएवंउपाय, वृन्दवादनमेंतालकास्वरूप,
एककवादनएवंसंगतमेंवादककीभूमिकातथाविभिन्नघरानोंकीवादनशैलीकीविशेषताएँ।
6.प्रथमसेपंचमवर्षकीपाठ्यतालिकाकेतालोंकेअंशविशेषदेखकरतालपहचाननेकाअभ्यास।
व्यवहारिक :
पूर्णांक : 100
1.एकसमपदीएवंएकविषमपदीतालमेंपूर्णलहराबजानेकाअभ्यास।
2.त्रिताल, झपताल, रूपकतालएवंचौतालकेविभिन्नविभागोंसेतेहाईबजानेकाअभ्यास।
3.प्रथमसेपंचमवर्षकीपाठ्यतालिकाकेसभीतालोंकोठेका, ठाय, द्विगुण, त्रिगुणलयमेंबजानेकाअभ्यास।
4.कंठएवंयंत्रसंगीतकेसाथलयएवंतालपहचानकरसंगतकरनेकाअभ्यास।
5.तबलायापखावजकोसुरमेंबाँधनेकाअभ्यास।
तबलाएवंपखावज
षष्ठवर्ष

पूर्णांक : 100
शास्त्र :
परिभाषा :प्रथमसेचतुर्थवर्षतककीसभीपरिभाषाएँ।
प्रथमसेचतुर्थवर्षतककीपाठ्यतालिकाकेसभीतालोंकोठेका, द्विगुण, त्रिगुण, चौगुण,
आड़एवंबियाड़लयमेंलिखनेकाअभ्यास।
लक्ष्मी, गणेशएवंविष्णुतालकीताललिपिसहितविभिन्नलयकारीमेंएकआवर्तनकेभीतरलिखनेकाअभ्यास।
निखिलेश्वरजीएवंभातखंडेजीकृततताललिपिलिखनेकाअभ्यास।
तबलाकेविभिन्नघरानोंकीबाजशैलीकेविषयमेंपूर्णज्ञान।
दक्षिणभारतीयतालपद्धतिकाज्ञानतथापाठ्यतालिकाकेउत्तरभारतीयतालोंकोदक्षिणभारतीयतालपद्धतिमेंलिख
नेकाअभ्यास।
भारतीयचर्मवाद्योंकाइतिहासएवंउनकावर्गीकरण।
भारतीयसंगीतमेंतालकामहत्व।
भावप्रकाशएवंरससृष्टिमेंतालकीआवश्यकता।
संगीतएवंकाव्यमेंछन्दोंकीविशेषतातथाउत्तमछन्दोंकीसमानताएवंविभिन्नता।

तबलावपखावज
सप्तमवर्ष
पूर्णसंख्या : 100
1.परिभाषा :प्रथमवर्षसेषष्ठवर्षतकसभीपाठोंकेतालकोताललिपिमेंलिखनेकाअभ्यास।
2.प्रथमवर्षसेषष्ठवर्षतकपाठ्यतालकंठस्थकरताललिपिमेंलिखनेकाअभ्यास।
3.पाठ्यतालकायदा, रेला, गत,
टुकड़ाआदिवाद्यविधिएवंविभिन्नप्रकारकीप्रवृत्तितालिपिमेंलिखनेकाअभ्यास।
4.मनिताल, चित्रताल, अष्टमंगलतालतथाविभिन्नप्रकारकेसंकीर्णतालताललिपिमेंलिखनेकाअभ्यास।
5. पाश्चात्यएवंभारतीयतालपद्धतिकीतुलना।
6. संगतकेप्रकारएवंउसकेदोष-गुणकेविषयमेंचर्चा।
7. तालरचनाकेसिद्धांतकेविषयमेंविशेषज्ञान।
8. रवीन्द्रसंगीतमेंउत्तरएवंदक्षिणभारतीयतालकाप्रभाव।
9. स्वतंत्रवादनतथासंगतवादनकीविशेषता।
10. सार्थकसंगतकारकीविशेषतातथासंगीतपरिवेशमेंउसकादायित्व।
11. आवाहनसंगीतरचनामेंचर्याओंकायोगदान।
12. घरानाआधारितसंगीतशिक्षाएवंविद्यालयमेंसंगीतशिक्षाकातुलनात्मकविवेचन।
व्यवहारिक
पूर्णसंख्या : 100

1. जटिलकायदा, रेला, गत, टुकड़ा, चक्करदार, त्रिपली, चौपलीआदिबजानेकाअभ्यास।
2. त्रिताल, झपताल, एकतालतथाआड़तालमेंसंपूर्णलयकारीबजानेकाअभ्यास।
3. प्रथमवर्षसेसप्तमवर्षतकपाठ्यतालोंमेंठेकाबजानेकाअभ्यास।
4. शास्त्रीयसंगीत, लोकसंगीत, रवीन्द्रसंगीत, सुगमसंगीततथायंत्रसंगीतकेसाथसंगतकरनेकाअभ्यास।
5. वीरप्रधानवाद्यतबलातथापखावजमेंचौताल, धमार, झपतालऔरवीरप्रधानवाद्यपखावजमेंत्रिताल, एकताल, झपतालआदिताल।